छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 02 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 19 दिसम्बर 2024 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

शुष्क दिवस पर चखना दुकान के आड़ में बिक रही थी मिलावटी शराब, दो गिरफ्तार

जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में निकली टीम को मिली बड़ी सफलता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गुरु घासीदास जयंती, शुष्क दिवस पर संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने 37 लीटर अंग्रेजी एवं मिलावटी शराब जप्त कर दो आरोपियों को जेल दाखिल कर दिया है।

गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर शुष्क दिवस होने के कारण संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम ने उपायुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा के द्वारा दिए गए सख्त निर्देश का पालन करते हुए संभावित शराब बिक्री स्थलों की निगरानी में लगी थी। इसी क्रम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में सुबह से गस्त कर रही उड़नदस्ता टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि गंगापुर विदेशी मदिरा दुकान के आसपास अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। इसके बाद आबकारी अधिकारी के साथ पहुंची टीम ने गंगापुर विदेशी मदिरा दुकान के आसपास जाल बिछाकर दो लोगों को धर दबोचा।

आरोपी प्रमोद गुप्ता के चखना दुकान से 41 पाव रॉयल स्टैग जप्त किया गया वहीं आरोपी रामकुमार के कब्जे से 32 नग रॉयल स्टैग का अद्धी, 4 नग मैकडॉवेल नंबर 1 का अद्धी, 2 नग रॉयल चैलेंज की अद्धी, 28 नग रॉयल चैलेंज का पाव व 21 नग सिंबा बियर का केन कुल 29.79 लीटर विदेशी मदिरा व्हिस्की एवं माल्ट जप्त किया गया।। रामकुमार के मकान से 45 नग मैकडॉवेल नंबर 1, रॉयल चैलेंज और रॉयल स्टैग का ढक्कन भी प्राप्त हुआ। उड़न दस्ता टीम को शक हुआ और जब सभी जप्त मदिरा की शीशियों का तेजी नापना शुरू किया तो सभी में डाइल्यूशन होना पाया गया। सभी में पानी मिलाया गया था, आरोपी ने पानी मिलाना खुद भी स्वीकार किया। गंगापुर विदेशी मदिरा दुकान के पीछे सूने मकान से लगभग एक पिकअप खाली शीशी और बोतल जप्त किया गया है। दोनों आरोपियों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 38(ए) एवं 59(क) के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल दाखिल किया गया।

डाइल्यूशन का काम काफी तेजी से कर रहे थे आरोपी

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि रामकुमार राम झारखंड का निवासी है और वह गंगापुर दुकान के पास चखना दुकान संचालित करता है। इसके द्वारा अपने घर से डाइल्यूशन कर शुष्क दिवस के अवसर पर अंग्रेजी शराब की बिक्री की जा रही थी। गंगापुर विदेशी मदिरा दुकान के पीछे मकान से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की खाली शीशियों एवं बोतलों का मिलना इस बात की ओर संकेत करता है कि डाइल्यूशन का काम काफी तेजी से इनके द्वारा किया जा रहा है। उड़न दस्ता टीम को मिलावटी शराब बेचने का कारोबार करने वाले लोगों को पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है।

फ्रंटलाइन खबर

आठ लीटर महुआ शराब के साथ अधेड़ गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणीपुर थाना पुलिस ने लक्ष्मीपुर बंजारी निवासी एक व्यक्ति से 8 लीटर महुआ शराब जप्त किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि राजेश्वर मिंज पिता बंशीधर मिंज 50 वर्ष काफी मात्रा में महुआ शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस उक्त व्यक्ति के घर पहुंच कर दबिश दी तो घर की परछी के कोने में एक प्लास्टिक झोले के अंदर दो-दो लीटर के 4 प्लास्टिक बोतल में भरा 2-2 लीटर, कुल 08 लीटर महुआ शराब मिला। आरोपी के पास से शराब की बिक्री का 200 रुपये नगद भी जप्त किया गया है। आरोपी के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई। आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

संतुलन खोकर बाथरूम में रखे टब में गिरी महिला, मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाथरूम गई महिला संतुलन खोकर टब के पानी में चेहरे के बल गिर गई। इस दौरान पानी सरकने से उसकी तबियत बिगड़ गई, अस्पताल पहुंचते तक महिला की मौत हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक मृतिका नीलम जान 35 वर्ष मणिपुर थाना क्षेत्र के दर्रीपारा मोहल्ले की रहने वाली है। 17 दिसम्बर को रात करीब 11.55 बजे वह घर के बाथरूम में गई थी, इस दौरान संभवत: पैर फिसलने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पानी से भरे टब में गिर गई थी। महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां देर रात 11.45 बजे जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी रायपुर गए महिला के पति पुनीत जान को पड़ोस में रहने वाले पंकज राज प्लेन्डर ने मोबाइल फोन पर दी थी। रायपुर से अंबिकापुर आने पर मौसी ब्रिजिट कुजूर ने नीलम के मौत और शव अस्पताल के मर्च्युरी में रखे होने की जानकारी दी। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

कीटनाशक का सेवन की बालिका इलाज के दौरान दम तोड़ी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कीटनाशक का सेवन की 15 वर्षीय बालिका की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कोतवाली थाना अंतर्गत श्रीगढ़ पटेलपारा की दिव्या देवान पिता करमू राम पहाड़ी कोरवा 17 दिसम्बर को शाम लगभग 6 बजे अज्ञात कारणों से सब्जी में छिड़कने के लिए रखे कीटनाशक का सेवन कर ली थी, इसके बाद उसे चक्कर आ रहा था। गिलास से आ रहे कीटनाशक के गंध को देखते हुए स्वजन उसे संजीवनी 108 से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतिका के पिता ने पुलिस को बताया कि उसकी लड़की पिछले दो वर्षों से काफी चिड़चिड़ापन व्यवहार करती थी। बहरहाल पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

शासकीय कार्य में बाधक बने उपसरपंच सहित 16 नामजद व अन्य के विरूद्ध केस दर्ज

मामला भटगांव थाना क्षेत्र में मृतक के शव को ट्रैक्टर से उतारकर चक्काजाम करने का

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भय दिखाकर शासकीय कार्य में बाधा डालकर पुलिस के कब्जे से मृतक के शव को जबरदस्ती ट्रेक्टर से उतारने और नेशनल हाइवे में चक्का जाम करने के मामले में आरक्षक की रिपोर्ट पर भटगांव थाना पुलिस ने 16 नामजद सहित अन्य लोगों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है।

भटगांव थाना में पदस्थ आरक्षक शंकर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 16 दिसम्बर को वह झरीलाल पैकरा पिता मिट्ठु राम पैकरा निवासी सोनगरा के सूचना पर सोनगरा सारसताल ग्राम में सुपल साय के गन्ना खेत में गया था, जहां जंगली हाथी के हमले से फूलसाय पिता हिरामन राजवाड़े की मौत हो गई थी।

मौके पर प्रधान आरक्षक क्रमांक 316 करन सिंह नेताम के द्वारा मर्ग पंचनामा कार्रवाई किया गया। इसके बाद प्रधान आरक्षक ने कर्तव्य प्रमाणपत्र देकर मृतक के शव को स्वजनों के साथ ट्रेक्टर में रखवाकर पोस्टमार्टम के लिए भटगांव सीएचसी ले जाने के लिए कहा। रास्ते में सोनगरा अटल चैक के पास कुछ ग्रामीण उप सरपंच धनेश्वर राजवाड़े, इन्द्रजीत, बालेश्वर सिंह, चंदू राम राजवाड़े, भिखम राजवाड़े, बली राम राजवाड़े, बोझी राम राजवाड़े, अमर साय, रामकुमार का बड़ा लडका, अनुक साय घसिया, राजेश पोर्ते, सुफल साय, बच्चन राम, चन्द्रशेखर राजवाड़े, रामजीत राजवाड़े, राजकुमार सिंह तथा अन्य ग्रामवासियों के द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जाने देने की बात कही और रास्ता रोककर शासकीय कार्य में बाधा डालने लगे। पुलिस के कब्जे से ट्रेक्टर में रखे गए मृतक के शव को जबरदस्ती उतार दिया गया और सोनगरा अटल चैक के पास नेशनल हाईवे अंबिकापुर-बनारस मार्ग में शव रखकर चक्काजाम कर दिए और नारेबाजी करने लगे। चक्काजाम करने से रोड के दोनों तरफ आने-जाने वाले वाहनों की लम्बी कतार लग गई।

इससे राहगीरों को परेशानी होने लगी। ऐसे में शव के पोस्टमार्टम का कार्य भी बाधित हो गया। मौके पर वन विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे, उन लोगों के द्वारा व गांव के सरपंच झरी राम पैकरा एवं छत्तरधारी सिंह सहित अन्य ग्रामीण भी इन्हें समझाइश दिए लेकिन वे नहीं माने। बाद में थाना प्रभारी, तहसीलदार व उच्च अधिकारियों के आने और काफी समझाइश देने के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ। मामले में भटगांव थाने में उप सरपंच धनेश्वर राजवाड़े सहित 16 ग्रामीणों सहित अन्य के विरूद्ध नामजद बीएनएस की धारा 126(2), 191(2) व 221 का मामला दर्ज कर लिया है।

रकम दोगुना देने का झांसा देकर असफाकउल्ला ने ठग लिए 74.20 लाख

व्यवसायी ने कोतवाली थाना पहुंचकर दर्ज करया रिपोर्ट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला निवासी एक व्यवसायी से ट्रेडिंग व इन्वेस्टमेंट करके रकम दोगुना वापस करने का झांसा देकर 74 लाख 20 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में कोतवाली थाना अंबिकापुर की पुलिस ने केस दर्ज किया है। हालांकि महाठग पिता-पुत्र को पूर्व में ही सूरजपुर जिले की पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

जमगला निवासी विवेक कुमार कुशवाहा ने पुलिस को बताया है कि वह वर्तमान में फुलवारी रोड दर्रीपारा अंबिकापुर में रहकर व्यापार करता है। बीते वर्ष नवम्बर 2023 में असफाकउल्ला पिता जरीफउल्ला निवासी सोनपुर, शिवप्रसाद नगर, सूरजपुर से उसकी जान पहचान हुई। असफाकउल्ला ने अदानी कंपनी में ट्रेडिंग एवं इन्वेस्टमेंट का काम करने की जानकारी देते हुए कहा कि वहां काफी लोगों का पैसा इन्वेस्टमेंट किया हूं और 06 माह पूरा होने पर मूलधन का दोगुना पैसा हितग्राही को वापस कर देता हूं। यह सुनकर वह उसकी बातों में आ गया। आस-पास के लोगों से जानने के बाद प्रलोभन में आकर वह अपने बैंक खाते और फोन पे, यूपीआई के माध्यम से असफाकउल्ला एवं उसके द्वारा दिए गए खातेदारों के खाते में पैसा आरटीजीएस कर दिया। रुपये की अत्यंत आवश्यकता होने पर जब वह अशफाकउल्ला से 30 लाख रुपये मांगा तो वह किसी अख्तर राजा नाम के खाताधारक के खाते से 10 लाख रुपये 23.03.2024 को ट्रांसफर किया। इसके बाद उसे असफाक पर संदेह हुआ। पूरी राशि की मांग करने पर वह बार-बार टालमटोल करते हुए तारीख देने लगा। जब वह असफाकउल्ला एवं उसके पिता जरीफउल्ला से उनके घर जाकर मिला तो दोनों ने छल करते हुए कहा कि पैसा ट्रेंडिंग में लगा है, उसमें 5 लाख रुपये कम पड़ रहा है। 5 लाख रुपये की व्यवस्था करके देने पर पूरा पैसा 01 सप्ताह के भीतर वापस कर देने कहा। दिए हुए पैसे को वापस पाने के चक्कर में व्यवसायी ने 18.05.2024 को 03 लाख रुपये और दे दिए। 01 सप्ताह बीतने के बाद भी रुपये वापस नहीं मिला, यही नहीं इनके द्वारा मोबाइल फोन रिसीव करना बंद कर दिया गया। घर जाने के बाद भी ठगों से मुलाकात नहीं हुई। एक सप्ताह बाद असफाकउल्ला के पिता ने कॉल करके उन्हें घर पर मिलने के लिए कहा। मुलाकात करने पर उन्हें रुपये देने के लिए अंतिम तारीख 20.11.2024 बताया गया। साथ ही यह भी कहा कि रुपये नहीं मिलने पर वे कानूनी कार्रवाई कर सकते है। बहरहाल लाखों रुपये ठगों को देने के बाद भटक रहे व्यवसायी ने घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना अंबिकापुर में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने भादंसं की धारा 420 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

ऐसे किया गया रुपये का स्थानांतरण

व्यवसायी विवेक कुमार कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को बताया है कि वह असफाकउल्ला के खाता में 06.12.2023 को 10 लाख रुपये, 10.01.2024 को 9 लाख 90 हजार रुपये, 12.01.2024 को 9 लाख 90 हजार रुपये, 17.01.2024 को 20 हजार रुपये, आशिया बेगम के खाता में 17.01.2024 को 9 लाख 90 हजार रुपये, पुन: असफाकउल्ला के खाता में 04.02.2024 को एक लाख रुपये, 05.02.2024 को 30 हजार रुपये, सुलतान अंसारी के खाता में 28.02.2024 को 5 लाख रुपये, माहेनुर के खाता में 28.02.2024 को 10 लाख रुपये, समसाद बानो के खाता में 01.03.2024 को 7 लाख रुपये, असफाकउल्ला के खाते में 02.03.2024 को 8 लाख रुपये, साजिद हुसैन के खाता में 18.05.2024 को 3 लाख रुपये, कुल 74 लाख 20 हजार रुपये स्थानांतरित किया है।

मूवी प्ले करने गया कर्मचारी, इधर काउंटर से 30,500 रुपये लेकर भागा बाइक सवार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वसुंधरा मल्टीप्लेक्स के काउंटर से नकद रकम चोरी करने वाले आरोपी को गांधीनगर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से चोरी की गई रकम एवं घटना के समय प्रयुक्त मोटरसायकल बजाज पल्सर बरामद कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक पूरन राजवाड़े पिता लल्कूराम 25 वर्ष निवासी परसापारा, कल्याणपुर ने पुलिस को बताया था कि वह वसुंधरा मल्टीप्लेक्स नमनाकला में काम करता है। 17 दिसम्बर को रात करीब 10.30 बजे वह अपने कैश कांउटर को छोड़कर मूवी प्ले करने गया था, करीब 10 मिनट बाद आकर देखा तो काउंटर में कैश रकम नहीं था। स्टॉफ से पूछने पर उसने कैश काउंटर की ओर नहीं जाना बताया। सीसीटीव्ही कैमरे को चेक करने पर अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मल्टीप्लेक्स में घुसकर कैश काउंटर में रखे लगभग 30 हजार 500 रुपये को चोरी करना पाया गया।

मामला वसुंधरा मल्टीप्लेक्स का, आरोपी को पुलिस की गिरफ्तार

रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में धारा 331(4), 317 भा.द.वि. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना में लगी पुलिस टीम घटनास्थल का निरीक्षण करके मामले के संदेही चंद्र शेखर राजवाड़े पिता स्व. सुखलाल राजवाड़े 19 वर्ष, निवासी डेडरी हायर सेकेण्डरी स्कूल के पास थाना सूरजपुर, हालिया ठिकाना संजय कालोनी सुभाषनगर, थाना-गांधीनगर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने वसुंधरा मल्टीप्लेक्स के कैश काउंटर से रकम चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की बजाज पल्सर मोटरसायकल व चोरी की गई रकम को पुलिस ने जप्त किया है। आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, सहायक उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, आरक्षक पवन यादव, रविन्द्र साहू, अनिल पैंकरा शामिल रहे।

रायगढ़ और सोहागपुर के मध्य फाइनल आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के एकता स्टेडियम में खेले जा रहे अन्तर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच गुरुवार 19 दिसंबर को एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र व एसईसीएल रायगढ़ क्षेत्र के मध्य खेला जाएगा।

गौरतलब है कि अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बिश्रामपुर क्षेत्र में 12 से 19 दिसम्बर के मध्य खेला जा रहा है। प्रतियोगिता में एसईसीएल कंपनी मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों की कुल 16 टीमें हिस्सा ले रहीं हैं। बुधवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच में रायगढ़ की टीम ने चिरमिरी को शानदार मुकाबले में पराजित कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में सोहागपुर की टीम ने कोरबा को पांच विकेट से पराजित कर फाइनल में स्थान बना लिया है। 19 दिसंबर गुरुवार को प्रतियोगिता का फाइनल मैच प्रातः 11 बजे से एसईसीएल सोहागपुर व एसईसीएल रायगढ़ के मध्य खेला जाएगा।

फाइनल मैच में बतौर मुख्य अतिथि एसईसीएल के निदेशक कार्मिक वीरांची दास मुख्य अतिथि होंगे। अध्यक्षता क्षेत्रीय महाप्रबंधक अजय तिवारी करेंगे।

अन्य अतिथियों में कंपनी कल्याण बोर्ड, सुरक्षा बोर्ड सहित संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्य, स्थानीय पदाधिकारी व अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने बारह किलो गांजा पकड़ने में पाई सफलता

उड़ीसा से दो बाइक सवार में ला रहे थे गांजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। उड़ीसा से बाइक में अवैध रूप से गांजा लेकर आ रहे दो बाइक में सवार चार युवकों को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। जब्त गांजे की कीमत तीन लाख रुपए आंकी जा रही है। पकड़े गए चारों आरोपी चांदनी बिहारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अर्वतिकापुर निवासी बताए गए हैं। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के कड़े निर्देश के बाद किए जा रहे वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने यह सफलता हासिल की है।जयनगर थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार की शाम थाना के सामने वाहनों की जांच चल रही थी। इसी दौरान दो पल्सर बाइक में सवार चार युवकों को रोककर पुलिस उनसे गाड़ियों की कागजात व कहां से आ रहे हो पूछा तो युवक हड़बड़ा गए। उनके हावभाव से पुलिस को संदेह होने पर जब दोनों बाइक के पीछे सवार युवकों के पास रखे पिट्ठू बैग को खुलवाकर देखा गया तो उसमें गांजा मिला, जिसके बाद चारों आरोपियों को गिरफ्त में लेकर उनसे पूछताछ की तो पता चला कि उड़ीसा के सोनपुर से आठ हजार किलो की दर से अवैध गांजा खरीदकर चारों युवक ला रहे थे।पुलिस ने जब्त

गांजे का वजन कराने पर बारह किलो मिला, जिसका बाजार भाव तीन लाख रुपए आंका जा रहा है। चारों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा 20 (बी), 29 के तहत जुर्म दर्ज कर आज चारों आरोपियों को न्यायालय पेश कर दिया गया है। थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एनएस 125 पल्सर वाहन क्रमांक सीजी 15 टीए 6782 को आरपी मंजेश जायसवाल पिता रामसुभग 28 वर्ष चला रहा था जबकि उसके बाइक में पीछे महेंद्र सिंह पिता जवाहिर सिंह 28 वर्ष बैठा था, जो बैग में छह किलो गांजा रखा था। वहीं दूसरे एन एस 125 पल्सर बाइक सीजी 15 ईए 6744 को महेंद्र जायसवाल पिता रामकृपाल 32 वर्ष चला रहा था जबकि उसके पीछे रामायण जायसवाल पिता रामरतन जायसवाल 20 वर्ष बैठा था, जो बैग में छह किलो गांजा रखा था। चारों आरोपी चांदनी बिहारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अर्वतिकापुर निवासी बताए गए हैं। पुलिसिया पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पहले भी तीन बार उड़ीसा से बाइक में गांजा लाकर अपने क्षेत्र में खपा चुके हैं। आरोपियों ने यह भी बताया कि उड़ीसा के सोनपुर निवासी जयप्रकाश अमात से गांजा खरीद कर लाए थे। पुलिस ने आरोपियों के बयान के आधार पर उड़ीसा निवासी गांजा तस्कर मेन डीलर जयप्रकाश अमात निवासी सोनपुर के खिलाफ 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। लंबे समय बाद जयनगर पुलिस को इतनी बड़ी मात्रा में गांजा बरामद करने में सफलता अर्जित हुई है। कार्यवाही में जयनगर थाना प्रभारी नरेन्द्र कुमार सिंह, एएसआई रघुवंश सिंह, विशाल मिश्रा, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र सिंह, मुकेश्वर वर्मा, आरक्षक विकास मिश्रा, सोनू सिंह, राजीव गवेल, अविनाश कुजूर, भुनेश्वर सिंह, मिलन सिंह, सुरेश तिवारी व नीरज सिंह सक्रिय रहे।

शासकीय महाविद्यालय द्वारा पोषक विद्यालय संपर्क अभियान शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर के प्राचार्य डीपी कोरी के मार्गदर्शन में पोषक विद्यालय संपर्क अभियान प्रारंभ किया गया। महाविद्यालय के पोषक विद्यालय संपर्क अभियान समिति दल में अंकुश सिंह सिसोदिया, साकेत दुबे, मृदुलता शर्मा, प्रीति दास एवं नमन रोहेला को नियुक्त किया गया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय बिश्रामपुर का भ्रमण किया। जहां छात्राओं को महाविद्यालय में मौजूद सभी सुविधाओं की चित्र-प्रदर्शनी दिखलाई गई। राज्य के एकमात्र बी प्लस नैक ग्रेड प्राप्त यूजी कालेज की गुणवत्ता और छात्रों की सक्रियता भागीदारी से अवगत कराया गया। अभियान दल द्वारा विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रमों यूजी कोर्स, कंम्पयूटर बेसिक्स, छात्र संख्या, मूलभूत सुविधाओं में एनलिस्ट लाईब्रेरी, फ्री वाई-फाई एकस्सेस, सुरक्षित कैंपस, एनलिस्ट लाईब्रेरी, स्वयं पोर्टल, 6 हजार से अधिक पुस्तकें एवं पाठ्य सामग्री, स्टूडेंट हेल्प डेस्क, आईसीटी कम्प्यूटर सुविधा युक्त कक्षाओं, नांगुल दोरला बाटेनिकल गार्डन, सांस्कृतिक रूचियों को बढ़ावा देने हेतु सांस्कृतिक समिति एवं सीताबेंगरा मंच, खेल विभाग द्वारा इनडोर और आउटडोर खेल की मौजूद सुविधाएं टेबल टेनिस से लेकर एथलेटिक्स, क्रिकेट एवं फुटबॉल ग्राउंड, वालिबाल , बैडमिंटन, तथा राज्य स्तर पर पुरस्कृत खिलाड़ियों की जानकारी दी गई। महाविद्यालय में सर्वसुविधा युक्त

पांच लैब, फिजिक्स, बांटनी, जूलाजी, कैमिस्ट्री एवं भूगोल, पूर्ण कम्प्यूटर कक्षा, व्यक्तित्व विकास हेतु ईको क्लब, रेड क्रॉस, एनएसएस, स्वीप क्लब पूर्व में छात्र छात्राओं को ले जाए गए शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रमों के साथ ही भविष्य निर्माण हेतु संचालित कार्यशाला, व्याख्यान, तथा शासकीय योजनाओं और उपलब्ध अवसरों के साथ ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। जिसे विद्यालय में उपस्थित छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सुनकर समझा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य एवं शैक्षणिक स्टॉफ समेत स्कूली छात्राएं उपस्थित थीं।

101 वाहन चालकों से 22800 रुपए जुर्माना वसूल

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा यातायात पुलिस द्वारा आपरेशन विश्वास के तहत यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, सांथ ही जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम, सुगम एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के लिए, यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालको पर सख्त कार्यवाही करने हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम मे दिनांक 11.12.2024 को यातायात पुलिस द्वारा सड़क मार्ग में दो-पहिया वाहन में तीन सवारी, आम मार्ग मे अपने वाहन खडी करने वाले, नो-पार्किंग में अपने वाहन खडा करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई किया गया है। यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान में दोपहिया वाहन में तीन सवारी चलने वाले 18 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर ?5400 समन शुल्क वसूला गया है। आम मार्ग मे अपने वाहन खडी करने वाले 06 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही कर 1800 समन शुल्क एवं नो-पार्किंग में वाहन खडा करने वाले 30 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही कर ?9000 समन शुल्क वसूल किया गया है। दिनांक 11.12.2024 को पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 101 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर ?22,800 समन शुल्क वसूल किया गया है। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमो के प्रति जागरूकता एवं यातायात नियमो के पालन हेतु सख्ती से लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। पुलिस आम नागरिकों से अपील करती हैं कि आप सभी यातायात के नियमों का पालन करें एवं जिले में सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए यातायात नियमों का सदैव पालन करें। पुलिस आपकी सेवा एवं सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर हैं।

वाहन प्रदूषण जांच केन्द्र के लिए आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा जिले के 03 विकासखण्डों में (बलरामपुर में 2, कुसमी में 1, वाड्रफनगर में 1) नवीन वाहन प्रदूषण जांच केन्द्र प्रारंभ किया जाना है। इस हेतु इच्छुक आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि इच्छुक आवेदक अपना आवेदन पत्र 30 दिसम्बर 2024 शाम 05:00 बजे तक जिला परिवहन कार्यालय बलरामपुर में जमा कर सकते है। अंतिम तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए आवेदक हाईस्कूल या हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण हो और वह आवेदन की तारीख को 18 वर्ष की आयु से कम का न हो। प्रदूषण जांच केन्द्र संचालन हेतु आवेदक या उसके कर्मचारी, के पास आईटीआई का मैकेनिक (डीजल), मैकेनिक (मोटरयान) का प्रमाण पत्र या समतुल्य प्रमाण पत्र होना चाहिए। नवीन वाहन प्रदूषण जांच केन्द्र प्रारंभ करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य व बलरामपुर जिले के आवेदको को प्राथमिकता दी जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला परिवहन कार्यालय बलरामपुर में कार्यालयीन समय पर सम्पर्क कर सकते है।

कोरेया उचित मूल्य दुकान से 27 बोरी चावल की चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कोरेया में स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान से अज्ञात चोरों ने 27 बोरी शासकीय चावल को पार कर दिया है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कोरेया में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान में 16 दिसंबर को अज्ञात लोगों ने धावा बोलकर दुकान में रखे करीब 27 बोरी शासकीय चावल की चोरी कर ली है। चोरी गए राशन की लिखित सूचना उचित मूल्य दुकान संचालक लाल साय राजवाड़े पिता रूपदेव ने जयनगर थाना में कर दी है। पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी गई है।

छात्राओं के साथ छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत करने वाला आरोपी शिक्षक गया जेल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सनावल स्कूल में पदस्थ शिक्षक मोहम्मद शाहिद पिता अब्दुल कयूम के द्वारा स्कूल में अध्ययनरत छात्राओं के साथ छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत करने के संबंध में छात्राओं के परिजनों को जानकारी मिलने पर दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को थाना सनावल में पीड़ित छात्राओं के परिजनो के द्वारा लिखित शिकायत प्रस्तुत करने उपरांत पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ अपराध क्रमांक 60/2024 धारा 74 बीएनएस, धारा 09,10 पॉक्सो एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लेते हुए आरोपी शिक्षक मोहम्मद शाहिद पिता अब्दुल कयूम,उम्र 45 वर्ष,निवासी रामानुजगंज जिला बलरामपुर रामानुजगंज छत्तीसगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

बलरामपुर कलेक्टर ने किया सस्पेंड

उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए बलरामपुर कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी डी.एन. मिश्रा को जांच के आदेश दिए गए थे जांच उपरांत शिक्षक मोहम्मद शाहिद के द्वारा किए गए काले कारनामे का सच उजागर होने के बाद विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सनावल में पदस्थ सहायक शिक्षक एल.बी.(उर्दू) मोहम्मद शाहिद को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुसमी निर्धारित करते हुए निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता का आदेश जारी किया गया था लेकिन अब आरोपी शिक्षक जेल दाखिल हो गया है।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन आज

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, धमतरी द्वारा 19 दिसम्बर को सुबह 11 से शाम चार बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। कम्पोजिट भवन स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में आयोजित इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा कुल 321 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि दसवीं, बारहवीं और स्नातक उत्तीर्ण शैक्षणिक योग्यताधारी प्लेसमेंट कैम्प में हिस्सा ले सकते हैं। आवेदकों को शैक्षणिक, तकनीकी योग्यता, जाति, निवास प्रमाण पत्र, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ निर्धारित तिथि को उपस्थित होने कहा गया है।

कंपनी स्तरीय इनमोसा का अधिवेशन में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल इनमोसा की कंपनी स्तरीय अधिवेशन मंगलवार को बिश्रामपुर क्षेत्र के ऑडिटोरियम हॉल में संपन्न हुआ। अधिवेशन में इनमोसा के केंद्रीय महासचिव पीएन मिश्रा मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता क्षेत्रीय महाप्रबंधक अजय तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कोल इंडिया इनमोसा के केंद्रीय अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, सह सचिव देवेंद्र कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष समीर चक्रवर्ती मंचस्थ थे। स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए भटगांव क्षेत्र के मनोज पांडेय ने अधिवेशन का उद्देश्य व संगठन के गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। हसदेव क्षेत्र के संगठन के विजय मिश्रा ने विभिन्न मुद्दों को रखा, जिसमें माइनिंग स्टाफ का प्रमोशन, आवास व्यवस्था और बैकुंठपुर क्षेत्र से सतीश तिवारी हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा इनकम टैक्स के गलत तरीके से कटौती के संदर्भ में केस कैसे जीते हैं, उसकी जानकारी दी गई। भटगांव क्षेत्र के समीम इकबाल ने प्रबंधन द्वारा प्रमोशन की

गलत नीति से प्रताड़ना के संबंध में अपनी बातों को रखा। जमुना कोतमा से अधिवेशन में शामिल हुए एके तिवारी व चिरमिरी से रवि दुबे ने सुरक्षा समिति में इनमोसा की भागीदारी के संदर्भ में बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय महाप्रबंधक अजय तिवारी ने अपने संबोधन में अधिवेशन की सफलता के लिए सभी को बधाई दे कहा कि खदान के बेहतर संचालन में माइनिंग सरदार की अहम भूमिका होती है। माइनिंग सरदार, डिस्ट्रिक इंचार्ज, ओवरमैन, एंजेट मैनेजर खदान के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसमें किसी की अनदेखी का सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मैन पॉवर बजट इस वर्ष का आ गया है। कंपनी के गाइड लाइन के हिसाब से डीपीसी कंडक्ट कर जितनी वैकेंसी और प्रमोशन बनती है, जिनका ड्यू है मैं विश्वास दिलाता हूं उन्हें हम प्रमोशन देंगे और क्षेत्र में इसे बेहतर तरीके से लागू करेंगे। क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने सभी को एक होकर अपनी बातों को रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित कर अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सोहागपुर के विजय मौर्य, प्रेम कुमार सिंह, सनोज सिंह, राजेंद्र छाबड़ा, विनोद मिश्रा, राजेश सिंह, अनूप तिवारी, अनुज ठाकुर, बलराम साहू, मनोज सिंह सहित संगठन के पदाधिकारी सक्रिय रहे।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

यूथ एवं इको क्लब के द्वारा डी.आर.जी. को दिया गया दो दिवसीय प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन के सहयोग से यूथ एवं इको क्लब के द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन 16 एवं 17 दिसम्बर 2024 को जिला ग्रंथालय बलरामपुर में आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी. एन. मिश्र के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण कराया गया। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री चोवाराम देवांगन एवं श्री रविन्द्र जायसवाल के द्वारा 40 डी.आर.जी. को प्लास्टिक प्रबंधन और स्कूल पोषण वाटिका से संबंधित गतिविधियों के संबंध में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक विद्यालयों में स्कूल पोषण वाटिका निर्माण का सुझाव दिया गया। इसमें बच्चों के बाल सभा और बाल केबिनेट का गठन कर पोषण वाटिका में जैविक कृषि, पर्यावरण के रख-रखाव से संबंधित गतिविधियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के दिशा में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा के द्वारा विद्यालय स्तर पर प्लास्टिक प्रबंधन और जैविक कृषि को बढ़ावा देने की बात कही गई। जिला परियोजना अधिकारी श्री हीरालाल पटवा (साक्षर भारत), ए.पी.सी. शिवकुमार उपाध्याय, श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता (समग्र शिक्षा) के द्वारा छात्रों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को समझाने एवं इसे व्यवहार में लाने प्रेरित किया गया।

अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार

राजनांदगांव-रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक संजय बरेठ के नेतृत्व मे थाना कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री के विरूद्व चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 11.12.2024 को 20:15 बजे मुखबीर की सूचना पर घेराबंदी कर घटना स्थल राजनांदगांव रेल्वे स्टेशन रोड़ धनवंतरी मेडिकल के सामने आटो स्टैण्ड राजनांदगांव के पास आरोपी बलराम बिसोई पिता सदानंद बिसोई उम्र 45 वर्ष साकिन दल्ली राजहरा वार्ड नं0 21 रेल्वे कॉलोनी थाना दल्ली राजहरा जिला बालोद (छ0ग0) पकड़ा गया, तलाशी लेने पर बैग एवं थैला के अंदर 02 बाटल रायल स्टेज बैरल सलेक्ट 02 लीटर वाला, 02 बाटल रायल स्टेज 02 लीटर वाला, 12 बाटल रायल स्टेज प्रत्येक 750 एम0एल0, 01 बाटल कोरियर नेपोलियन 750 एम0एल,

01 पौवा आईकोनिक वाईट 180 एम0एल0 अंग्रेजी शराब जुमला मात्रा 17.930 बल्क लीटर किमती 19670 रूपये एवं नगदी रकम 4600 रूपये कुल किमती 24.270 रूपयें मिला, पूछताछ पर कोई वैध कागजात नहीं होना एवं शराब को अकोला (महाराष्ट्र) राज्य के विभिन्न शराब भट्ठी से खरीदकर बिक्री करने के लिए लाना बताया। आरोपी का कृत्य आबकारी अधिनियम के तहत पाये जाने से मौके पर जप्त कर आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 758/24 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को गिरफ्तार कर हिरासत में लिया गया। जिसे आज दिनांक 12.12.2024 को न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जेल वारंट प्राप्त होने पर जिला जेल राजनांदगांव में दाखिल किया गया। आगे भी असमाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक संजय बरेठ, उप निरीक्षक राधेश्याम जूर्री,उप निरीक्षक विरेंद्र सिंह, प्र0आर0 मिलन साहू, प्र0 आर0 संदीप चौहान, आरक्षक रंजीत चैरसिया, कुश बघेल, भवानी थनापति एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

प्रभार पर चल रही है जनपद पंचायत कुसमी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कुर्सी

विकास कार्य हो रहें प्रभावित, पंचायत मद के राशियो का हो रहा दुरूपयोग, भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुसमी। जिला बलरामपुर में प्रशासनिक व्यवस्था चरमराई हुई है. योग्य अधिकारियों के रहते हुए भी कुसमी जनपद पंचायत मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी का रिक्त पद करीब दो वर्षों से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन के आदेश के विपरीत अयोग्य प्रभारी सीईओ के भरोसे चलाया जा रहा हैं. जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर तों सवाल उठ ही रहें हैं. साथ ही योग्य अधिकारीयों को इस पद से वंचित रहना पड़ रहा हैं.

उल्लेखनीय हैं की जनपद पंचायत कुसमी में वर्ष 2022 के जुन माह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सूरज गुप्ता को मूल रूप से पदस्त किया गया था. तथा महज 4 माह के बाद उन्हें अन्यत्र हटा कर अटैज कर दिया गया। श्री गुप्ता के मूल पदस्थापना पर ही जनपद पंचायत शंकरगढ़ में मूल रूप से पदस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय दुबे को जनपद पंचायत शंकरगढ़ के साथ - साथ अतिरिक्त प्रभार कुसमी जनपद पंचायत का भी दे दिया गया. तथा उन्हें करीब 8 माह तक दोनों जनपद पंचायत के सीईओ के कार्यदायित्व का निर्वहन करने के बाद कुसमी जनपद पंचायत के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया गया. और 19 जुन 2023 में बलरामपुर जिला मे पदस्थ तत्कालीन कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर कुसमी मे लंबे समय से पदस्थ पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ अधिकारी डॉ अभिषेक पाण्डेय को अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक मूल कर्तव्यों के साथ - साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया. साथ ही उन्हें प्रशासकीय एवं वित्तीय अधिकार भी प्रदत्त कर दिए गए। ऐसे में यह मेहरबानी किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति करने की ओर इशारा कर रहा।

क्या कहता हैं छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय का आदेश..

छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर व जिला पंचायत

के मुख्य कार्यपालन अधिकारीयों को लिखित आदेश मे वर्ष 2006 से अब तक कई आदेश जारी कर आदेशित किया गया हैं की पंचायत विभाग के जिला पंचायत द्वारा शासन की बगैर अनुमति के मुख्य कार्यपान अधिकारी जनपद पंचायत के संवर्ग अधिकारी को छोड़कर अन्य विभाग/संवर्ग के अधिकारियों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत का प्रभार दिया जा रहा है। यह अत्यंत आपत्तिजनक एवं विभाग के उद्देश्यों के सर्वथा विपरीत है। उक्त आदेश को ठेंगा दिखाते हुए बलरामपुर जिला के जनपद पंचायत कुसमी का अतिरिक्त प्रभार करीब 2 वर्षों से पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ अधिकारी को नियम विरुद्ध तरीके से दे दिया गया हैं। हाल ही में वर्तमान राज्य शासन द्वारा 7 मार्च 2024 को एक आदेश जारी करते हुए प्रदेश के सभी कलेक्टर व जिला सिईओ को जारी आदेश मे पूर्व से जारी आदेशो पर दिए गए निदेर्शों का कड़ाई से पालन करने कहाँ गया हैं।

मंत्रालय से जारी आदेश की उड़ रही धज्जियां

वहीं बलरामपुर जिला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कई विकास विस्तार अधिकारी पदस्थ होने के बाद भी उन्हें मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रभार न देकर मंत्रालय से जारी आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. जबकी मंत्रालय द्वारा सुक्ष्मदर्शिता पूर्वक जनपद पंचायत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी का कार्य संपादन करने वर्षों से वर्ष 2024 तक आदेश जारी कर विकास विस्तार अधिकारीयों को प्रभार देने निर्देश दिया गया हैं. वहीं कुसमी जनपद पंचायत में करीब दो वर्ष से अन्य विभाग के पशु चिकित्सक को नियम विरुद्ध अतिरिक्त प्रभार दिया जाना कई सवालों को जन्म दे रहा हैं।

पांच वर्षों में चर्चित रहा कुसमी जनपद पंचायत..

पिछले शासन कॉल मे जनपद पंचायत कुसमी मे कपड़ो की तरह मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कुर्सी से अफसर बदले जा चुके हैं. जो बेहद चर्चा मे रहा। जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 से 2023 तक कुल 6 मुख्य कार्यपालन अधिकारी को हटाया गया. और उक्त पद मे 7 वें प्रभारी सीईओ के रूप मे मंत्रालय रायपुर के दिशा निदेर्शों का उल्लंघन करते हुए पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ अधिकारी डॉ अभिषेक पाण्डेय को जनपद पंचायत कुसमी का प्रभार दे दिया गया है। जिससे स्पष्ट हैं. कि कुसमी जनपद पंचायत मे किस स्तर पर राजनीतीक दखल है। तथा शासकीय राशी का जमकर बंदरबाँट हो रहा हैं।

शासन से छुपाई गई जानकारी, जिला प्रशासन की हो रही बदनामी..

कार्यालय कलेक्टर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा जारी आदेश क्रमांक 829 दिनांक 19 जून 2023 के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार पशु चिकित्सा सहायक संलग्न अधिकारी कुसमी डॉक्टर अभिषेक पांडे को देने के बाद इसकी जानकारी आयुक्त सरगुजा संभाग अंबिकापुर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कुसमी/शंकरगढ़, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग बलरामपुर, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें बलरामपुर व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शंकरगढ़ को दी गई हैं। तथा छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव व विशेष सहायक पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय, विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर से अनुमोदन नहीं लिया गया हैं और न ही प्रतिलिपि तक भेजी गई. साथ मंत्रालय व सचिवालय से जानकारी को छुपाया गया. इससे एक प्रभारी सीईओ के कारण बलरामपुर जिला प्रशासन की बदनामी हो रही हैं. पूरा प्रकरण जाँच का विषय हैं ?

गैर विभागीय कार्य संपादित कर रहे पशु चिकित्सक 2019 में हटाए जा चुके हैं..

आयोजित एक विभागीय बैठक में शिकायत के बाद संचालनालय, पशु चिकित्सा सेवाएं छत्तीसगढ़ द्वारा पूर्व में पत्र क्रमांक 1633 में दिनांक 11 मार्च 2019 को गैर विभागीय कार्य संपादित कर रहे पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों को पूर्णकालिक रूप से विभागीय कार्य हेतु मुक्त किए जाने निर्देश प्रदेश के तत्कालीन 7 कलेक्टर जिला बिलासपुर, बस्तर, सरगुजा, दुर्ग, कोरिया, जशपुर व बलरामपुर को दिया गया था. जिसके बाद उक्त आदेश के परिपालन में उक्त सभी जिला में संलग्न किए गए कुल 09 पशु चिकित्सकों को उनके मूल पदस्थापना में पशु चिकित्सालय वापिस भेज दिया गया था. लंबे समय बीत जाने के बाद बलरामपुर जिला में पुनः इस तरह का प्रभार कई सवालों को जन्म दे रहा हैं।

26 दिसंबर को ईमारती काष्ठों/जलाऊ काष्ठों की ई-ऑक्शन के माध्यम से होगी ऑनलाईन नीलामी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - वनमण्डलाधिकारी सरगुजा ने बताया कि 26 दिसंबर 2024 को काष्ठागार अम्बिकापुर में भण्डारित ईमारती काष्ठों/जलाऊ काष्ठों का नीलाम ई-ऑक्शन के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना है। उक्त ऑक्शन में इच्छुक बोलीदाता बोली लगाने से पूर्व आवश्यक दस्तावेज के साथ एमएसटीसी के पोर्टल में पंजीकृत होकर घर बैठे काष्ठ क्रय कर सकते हैं। एमएसटीसी के पोर्टल में पंजीकृत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज की हैं - वैध मोबाईल नम्बर, वैध ई- मेल आईडी, पैन/जीएसटी, सक्रिय बैंक खाता नम्बर, प्रारूप डी (एमएसटीसी के पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है।), तीन साल की अवधि तक पंजीकृत होने के लिए 6001/- रुपए और एक साल की अवधि तक पंजीकृत होने के लिए 1180/- रू. जीएसटी सहित भुगतान करना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि ई ऑक्शन के माध्यम से लकड़ी और अन्य वनों से संबंधित उत्पादों की खरीद में सभी को समान अवसर मिलेगा और पारदर्शिता बढ़ेगी। राज्य की आय की संभावना बढ़ेगी। राष्ट्रीय पारगमन परमिट प्रणाली (NTPS) के माध्यम से ई-ऑक्शन से अवैध लकड़ी की बिक्री कम हो सकती है। साथ ही एग्रोफॉरेस्ट्री को मजबूत करके काष्ठ आधारित अर्थव्यवस्था का विकास हो सकेगा।

प्रयास आवासीय बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु 19 दिसंबर से कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रदेश के अधिसूचित क्षेत्रों, आदिवासी उपयोजना क्षेत्र तथा नक्सल पीड़ित/प्रभावित क्षेत्रों में स्थित शालाओं में अध्ययनरत प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट तथा एनडीए की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु सघन तैयारी करायी जाती है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु राज्य में प्रयास आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए है। उक्त जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि सत्र 2025-26 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। जारी सारणी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करने की प्रारंभिक तिथि 19 दिसंबर 2024 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2025 (रात्रि 12:00 बजे तक) तक होगी। त्रुटि में सुधार 21 जनवरी 2025 (रात्रि 12:00 बजे तक) तक किया जा सकेगा। जिला स्तर पर दस्तावेजों का परीक्षण 28 जनवरी 2025 से 07 फरवरी 2024 तक किया जाएगा। आवेदन एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://eklavya.cg.nic.in/PRSMS/Student-Admission-Detail एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अम्बिकापुर/प्रशासकीय अधिकारी प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर एवं विकास खण्ड अंतर्गत संबंधित समस्त मण्डल संयोजकों से प्राप्त कर सकते हैं।

पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई के इलाज में नहीं होनी चाहिए कोई कमी : मुख्यमंत्री ने दिए हैं निर्देश

- पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई से मिलने पहुंचे मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल
- चिकित्सकों की टीम के साथ श्रीमती तीजन बाई के स्वास्थ्य की ली जानकारी
- स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने श्रीमती तीजन बाई को 5 लाख रुपये की दी आर्थिक सहायता
- स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल विधायकों के साथ श्रीमती तीजन बाई से मिलने पहुंचे गनियारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर / प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पंडवानी की लोक गायिका पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई की हालत जानने आज उनके निवास गांव गनियारी (विकासखंड पाटन, जिला दुर्ग) पहुंचे। उन्होंने पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई और उनके परिजनों से मुलाकात कर हाल-चाल पूछा और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मंत्री श्री जायसवाल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के तरफ से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई को प्रदान किया। श्री जायसवाल ने परिवार में नौकरी की माँग को लेकर मुख्यमंत्री से

चर्चा करने का भी आश्वासन दिया। साथ ही शासन स्तर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की बाते कही।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने निर्देश दिया है कि छत्तीसगढ़ की पहचान पद्म विभूषण श्रीमती तीजन बाई के इलाज में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। तीजन बाई के इलाज के लिए चिकित्सकों की एक टीम भी तैनात की गई है जो लगातार उनका मेडिकल बुलेटिन भी जारी करते रहते हैं। मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने श्रीमती तीजन बाई को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक श्री डोमन लाल कोसेवाड़ा, श्री ललित चंद्राकर और श्री गजेंद्र यादव, संचालक स्वास्थ्य सेवाये, कलेक्टर, सीएमएचओ और स्वास्थ्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

पैसे दोगुने करने का लालच और भूत-प्रेत का झांसा, लाखों की ठगी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर । सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाले व्यवसायी ने सेवादार के खिलाफ रकम दोगुना करने का झांसा देकर 82 लाख रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। जरहाभाठा में रहने वाले व्यवसायी रितिक हिरवानी ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। पीड़ित ने बताया कि गोल बाजार में कपड़े की दुकान है। दीपक केवलानी उर्फ रणवीर से चार वर्ष पूर्व चकरभाठा के गुरुद्वारे में मुलाकात हुई थी। उस दौरान वे अपने भांजे मंयक लछवानी के साथ चकरभाठा गुरुद्वारे जाते थे। वहां पर सेवादार के रूप में रहने वाले दीपक से जान पहचान बढ़ी। उसके बाद लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व से रकम दोगुना करने का लालच दिया। तब वे और मयंक लछवानी लालच में आकर

दीपक केवलानी को स्वयं और मार्केट से रकम लेकर दे दिए। इसके बाद उसने दोनों को रामा वैली स्थित मकान में रहने के लिए कहा। इस दौरान उसने घर जाने पर रकम डूब जाने की बात कही। उसकी बातों में आकर दोनों ने परिवार वालों को गुमराह करते हुए हैदराबाद में होने की बात कही। इस दौरान उसने भूत-प्रेत का भी डर दिखाया। आखिरकार धोखाधड़ी की जानकारी होने पर उन्होंने पूरे मामले की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है।

इकबाल मेमन के घर ईडी की दबिश, शराब सिंडिकेट के पैसे का इन्वेस्टमेंट का आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गरियाबंद । जिले में ईडी ने छापा मार की कार्यवाही की है। मैनपुर में 10 से ज्यादा वाहन में ईडी की टीम ने कारोबारी इकबाल मेमन के घर सुबह दबिश दी है। छापे में अनवर ढेबर कनेक्शन की आशंका जताई जा रही है। जाड़ापदर के ग्रामीणों ने ईडी से लिखित शिकायत किया था। जिसमें शराब सिंडिकेट के पैसे का इन्वेस्टमेंट का आरोप लगाया गया है। दो साल के भीतर दो करोड़ से ज्यादा की प्रापर्टी की खरीदी हुई थी। इकबाल मेमन अनवर का रिश्तेदार है।

शराब घोटाले में एक्शन

वहीं बीते महीने छत्तीसगढ़ में ईडी ने शराब घोटाला मामले में छापेमारी की थी। रायपुर में बार कारोबारी राठौर के सूर्या अपार्टमेंट

और कटोरा तालाब में एक ठिकाने में ईडी की जांच किया था। ईडी ने झारखंड के पूर्व उत्पाद (आबकारी) सचिव IAS विनय चौबे और संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह से जुड़े करीबियों के घर दबिश दी थी। मिली जानकारी के अनुसार, ईडी ने झारखंड शराब घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने रेड की कार्रवाई की थी। मामले में IAS विनय चौबे और संयुक्त सचिव गजेन्द्र सिंह के करीबियों के घर रायपुर और रांची में दबिश दी थी। वहीं ईडी की राडार में छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग के पूर्व अधिकारी की भी होने की खबर है। इसके अलावा झारखंड में शराब कारोबार से जुड़ी अलग अलग कंपनियों और उनके संचालकों के यहां ईडी ने छापा मारा था। मिनार बार के मालिक अनिल राठौर के अशोका रतन स्थित घर, मिनार बार और सूर्या अपार्टमेंट में छापेमारी की थी। झारखंड और छत्तीसगढ़ प्रवर्तन निदेशालय (ED) के आधा दर्जन अफसर जांच में जुटे थे।

संयुक्त टीम के द्वारा की गई कार्यवाही, राइस मिल सील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - खाद्य, राजस्व, डी.एम.ओ., मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बुधवार को जय अम्बे राइस मिल एवं जय अम्बे एग्रोटेक, कांतिप्रकाशपुर में मिल की जांच की गई। उक्त जानकारी देते हुए जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि दोनों मिल एक ही परिसर में है, जांच के समय मिल के संचालक राजीव मित्तल मौके पर उपस्थित रहे। दोनों मिल का भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें धान की स्टॉक लगभग 43,643 बोरी यानी 17457.20 क्विंटल एवं चावल अरवा 590.50 क्विंटल, चावल उसना 2611.50 क्विंटल मौके पर उपलब्ध पाया गया।

उन्होंने बताया कि कस्टम मिलिंग 2023-24 का जय अम्बे राइस मिल में 21,550 क्विंटल एवं जय अम्बे एग्रोटेक में 21,550 क्विंटल चावल जमा करना शेष है। मौके पर जांच के दौरान मिलिंग प्रक्रिया बंद पाई गई। भौतिक सत्यापन में उपलब्ध स्टॉक एवं चावल जमा योग्य मात्रा में अंतर पाया गया। जिस कारण मौके पर उपस्थित पंचगणों के समक्ष उपलब्ध धान 43,643 बोरी लगभग मात्रा 17457.20 क्विंटल एवं चावल अरवा लगभग 590.50 क्विंटल, चावल उसना 2611.50 क्विंटल, दोनों मिल का स्टॉक मिलाकर जप्ती की कार्यवाही करते हुए मिल संचालक की सुपुर्दगी में किया गया एवं मिल को मौके पर सील किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि जांच के दौरान उठाव किये गये धान के अनुसार भौतिक सत्यापन में 1,05,230 नग धान बोरा कम पाया गया।

आप की महिला अदालत के बाद केजरीवाल के घर के बाहर बीजेपी का प्रदर्शन

स्वाति मालीवाल केस की दिलाई याद

एजेंसी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी की महिला अदालत के बाद अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर भारतीय जनता पार्टी ने प्रदर्शन किया है। बीजेपी की महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत के नेतृत्व में अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। बीजेपी ने केजरीवाल पर महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए और स्वाति मालीवाल केस की याद भी दिलाई। बीजेपी ने कहा कि राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार उनके घर पर ही बदसलूकी करते हैं। ऐसे में वो महिला सुरक्षा पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं रखते हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा

कि महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के वादे करने वाली आप सरकार ने न केवल उन वादों को पूरा करने में विफलता दिखाई है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा पर ध्यान देने के बजाय राजनीति को प्राथमिकता दी है। दिल्ली की महिलाएँ अब काम और परिणाम चाहती हैं, न कि खोखले दावे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। त्यागराज स्टेडियम में एक 'महिला अदालत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र के पास दिल्ली पुलिस की शक्तियां होने के बावजूद भाजपा महिलाओं की सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता नहीं मानती है। केजरीवाल ने कहा कि दस साल पहले, आपने मुझे दिल्ली में स्कूलों, अस्पतालों और पानी की आपूर्ति में सुधार की जिम्मेदारी दी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह महिलाओं को 'वोट बैंक' के रूप में नहीं मानते हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सब कुछ किया है। केजरीवाल ने कहा कि आप के सत्ता में आने से पहले, शहर में कोई सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। हमने लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए और बस मार्शल नियुक्त किए।

सम्पादकीय

काश संसद में संविधान के लक्ष्यों पर बहस होती

संसद में संविधान पर चर्चा एक अच्छी पहल है। भारतीय संविधान ने अपनी 75 वर्ष की यात्रा पूरी कर ली है। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ, तब से देश ने संविधान के लक्ष्यों के अनुरूप अनेक स्तर पर प्रगति की है, लेकिन कई लक्ष्य अधूरे भी हैं। यह समीक्षा होनी ही चाहिए कि 75 वर्ष की यात्रा में लक्ष्यों की स्थिति क्या है? संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों के क्रियान्वयन की दशा व दिशा क्या है? हालांकि सरकार संसद में संविधान पर बहस विपक्ष की मांग के बाद करवा रही है, लेकिन संविधान के लक्ष्यों पर बात होती तो देश लाभान्वित होता। इसमें जो गौर करने वाली बात है कि विपक्ष ने आरोप के साथ संविधान पर बहस शुरू की है, ये ऐसे आरोप हैं जिसमें राजनीति के सिवा कोई तथ्य नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव के समय से कांग्रेस ने एक नैरेटिव गढ़ा है कि भाजपा नीत राजग सरकार संविधान बदलना चाहती है, भाजपा के बयानवीर नेताओं ने मौका भी दिया, जबकि तथ्यात्मक रूप से यह संभव नहीं है। अब तक करीब 126 संविधान संशोधन हुए हैं, जिनमें से करीब 98 से अधिक कांग्रेस सरकार के समय हुए हैं। संविधान में संशोधन वक्त की जरूरत के हिसाब से संसद के जरिये होते हैं, संशोधन करना संविधान बदलना नहीं है। संविधान पर चर्चा इसे बदलने के राजनीतिक आरोप के साथ नहीं होनी चाहिए, बल्कि विपक्ष को तथ्यों के साथ संसद में यह बात रखनी चाहिए कि अधूरे लक्ष्य कौन-कौन हैं? डा. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में राजनीतिक लोकतंत्र के साथ सामाजिक व आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा को भी समावेशित किया था, संविधान ने 75 वर्ष में इन लक्ष्यों को हासिल नहीं किया है। संविधान में वर्णित समानता, स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता और मौलिक अधिकारों पर आधारित राष्ट्र निर्माण और उसे मजबूत करने के लक्ष्यों में देश की राजनीति बाधक बन रही है। जातिगत व संप्रदायगत राजनीति देश की एकता व अखंडता और भाईचारे का बड़ा नुकसान कर रही है। यह समय सभी राजनीतिक दलों के लिए ठहर कर सोचने का है कि वे अपनी-अपनी विभाजनकारी राजनीति से देश को किस दिशा में ले जा रहे हैं। संविधान पर चर्चा के दौरान चाहे कांग्रेस सांसदों ने अपनी बात रखी हो, या सत्ता पक्ष से भाजपा सांसदों ने अपनी बात रखी हो, सभी ने केवल एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। किसी ने भी ईमानदारी से संविधान के लक्ष्यों पर चर्चा नहीं की है। संविधान में आरक्षण का प्रावधान दस वर्ष के लिए था, यह राजनीतिक एजेंडा क्यों बना हुआ है? देश में जातिगत आरक्षण के फायदों को लेकर सोशल ऑडिट क्यों नहीं हुआ है? सामाजिक न्याय की बात होती है, पर इसके लिए राष्ट्रीय पैमाना अब तक क्यों नहीं तय हुआ? जातिवाद के खात्मे के लिए सरकारी प्रयास क्यों नहीं हुए? जाति गणना से राष्ट्र को क्या लाभ होने वाला है? सामाजिक पिछड़ेपन का आधार जाति क्यों है? संसदीय व दलीय राजनीति में समावेशी प्रतिनिधित्व की अवधारणा केवल चुनावी समीकरण तक क्यों सीमित हैं? आमजन के लिए इंसाफ के दरवाजे तक पहुंच सरल क्यों नहीं है? सरकार अपनी विफलताओं के लिए जवाबदेह क्यों नहीं है? ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिस पर संसद में बहस होनी चाहिए, पर दुर्भाग्य यह है कि न ही विपक्ष के पास संविधान पर चर्चा के विषय की तैयारी है और न ही सत्ता पक्ष की रुचि है। लग रहा है जैसे कांग्रेस केवल भाजपा पर आरोप लगाने के लिए संविधान पर चर्चा कर रही है। न संविधान बदल रहा है न इस पर कोई खतरा है।

श्रद्धांजलि
गीता शुक्ला

अब किसे कहेंगे 'वाह उस्ताद'

उस्ताद जाकिर हुसैन की मृत्यु से सारा देश उदास है। वे सर्वप्रिय थे। उस्ताद जाकिर हुसैन अपनी अद्भुत तकनीक और तबले पर महारत के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनकी लय और ताल की समझ अविश्वसनीय थी। वे जटिल तालों को भी सहजता से बजाते थे, जिससे संगीत में एक अलग ही रंगत आ जाती थी। जाकिर हुसैन का संगीत सिर्फ तकनीकी कौशल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं की गहराई भी है। उनकी हर थाप में एक कहानी छिपी होती है, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती है। वो फरवरी का महीना था और साल था 2012 । राजधानी दिल्ली में उस दिन शास्त्रिय संगीत के रसिया नेहरू पार्क का रुख कर रहे थे जाकिर हुसैन के जादू को देखने के लिए।

उस्ताद जाकिर हुसैन का एक चित्र महान कथक नृतक बिरजू महाराज के राजधानी के शाहजहां रोड के फ्लैट में ड्राइंग रूम में लगा हुआ था। उसमें उस्ताद जाकिर हुसैन और बिरजू महाराज खिलखिला रहे हैं। उसे देखकर बिरजू महाराज कहते थे, उस्ताद जाकिर हुसैन से बेहतर तबला वादक अब कोई पैदा नहीं होगा। ये दोनो ही अपनी-अपनी कलाओं के महारथी थे, और जब वे साथ में प्रस्तुति करते, तो एक जादुई माहौल बन जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन की मृत्यु से सारा देश उदास है। वे सर्वप्रिय थे। उस्ताद जाकिर हुसैन अपनी अद्भुत तकनीक और तबले पर महारत के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनकी लय और ताल की समझ अविश्वसनीय थी। वे जटिल तालों को भी सहजता से बजाते थे, जिससे संगीत में एक अलग ही रंगत आ जाती थी। जाकिर हुसैन का संगीत सिर्फ तकनीकी कौशल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं की गहराई भी है। उनकी हर थाप में एक कहानी छिपी होती है, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती है। वो फरवरी का महीना था और साल था 2012 । दिल्ली में जाड़ा पड़ रहा था। उस दिन राजधानी के शास्त्रीय संगीत के रसिया नेहरू पार्क का रुख कर रहे थे उस्ताद जाकिर हुसैन के जादू को देखने के लिए।

उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपनी उंगलियों और हथेलियों से ऐसी ध्वनियां निकालीं, जो पहले कभी नहीं सुनी गईं थीं। दरअसल उस दिन तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन ने नेहरू पार्क में शिव कुमार शर्मा के साथ जुगलबंदी पेश की थी। करीब 500 संगीत प्रेमियों के बीच जब दोनों उस्तादों ने तान छेड़ी तो फिर जो समां बंधा उसे कौन शब्दों में बयां कर कर सकता है। करीब दो घंटे की गुगलबंदी में दोनों उस्तादों ने अपने चाहने वालों की भरपूर तालियां बटोरीं। अफसोस कि उस जुगलबंदी के दोनों उस्ताद अब संसार में नहीं रहे। उस्ताद जाकिर हुसैन दिल्ली में बीती आधी सदी से भी अधिक समय से अपने कार्यक्रम दे रहे थे। भारतीय संगीत को उनके खास अंदाज की वजह से अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली थी। उन्होंने दिल्ली में दर्जनों कंसर्ट पेश किए। वे दशकों से दिल्ली में आ रहे थे। जाकिर हुसैन ने कमानी सभागार में 2019 में एक यादगार प्रस्तुति दी थी। मौका था श्रीराम कला केन्द्र के संस्थापक लाला चरत राम की याद में आयोजित एक कार्यक्रम का। उसमें श्रीराम कला केन्द्र की प्रमुख शोभा दीपक सिंह ने बताया था कि जाकिर हुसैन श्रीराम कला केन्द्र के कार्यक्रमों में अपने पिता उस्ताद अल्लाह रक्खा खान के साथ आते थे।

उस समय वे 15-16 के थे। जाकिर हुसैन ने जब दिल्ली के कमानी सभागार में प्रस्तुति दी, तो वह एक अविस्मरणीय शाम थी। उनके तबले की गूंज पूरे सभागार में छा गई और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कला मर्मज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन का समाचार सुनकर गमगीन हो गए।

कहने लगे, जाकिर हुसैन का कोई सानी नहीं था। उनकी उंगलियां तबले पर ऐसे चलती थी जैसे कोई जादू हो। उनकी लयकारी और ताल की समझ अद्भुत थी। वे हर ताल को नए अंदाज में पेश करने में माहिर थे। उस्ताद जाकिर हुसैन की लय पर पकड़ अद्भुत थी। उनकी उंगलियां तबले पर इस तरह नाचती थी कि हर ताल और लय स्पष्ट और सटीक होती थी। वह पारंपरिक तबला

वादन में तो माहिर थे ही, साथ ही उन्होंने अपनी तकनीक में कई नए तत्वों को भी जोड़ा भी। वे विभिन्न प्रकार की तालों और लय में कुशलता से तबला बजाते थे। उनकी गति अविश्वसनीय थी। वे बहुत तेज गति से तबला बजा सकते थे, लेकिन उनकी सटीकता और स्पष्टता कभी कम नहीं होती। जाकिर हुसैन सिर्फ तबला नहीं बजाते, बल्कि संगीत के साथ संवाद करते थे।

वे अन्य संगीतकारों के साथ मिलकर शानदार संगीत बनाते थे। उनके तबले वादन में गहरी भावनाएं होती थीं। वे अपनी कला से खुशी, दुख, उत्साह और शांति जैसे विभिन्न भावों को व्यक्त कर सकते थे। वे भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ जैज़ और फ्यूजन संगीत में भी माहिर थे। उन्होंने विभिन्न संस्कृतियों के संगीत को एक साथ मिलाकर एक नई शैली बनाई। जाकिर हुसैन ने कई युवा तबला वादकों को प्रेरित किया। उन्होंने तबला वादन को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते थे। उन्होंने तबले वादन के क्षेत्र में कई नए प्रयोग किए और इस कला को आगे बढ़ाया। वे दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और सम्मानित तबला वादकों में से एक थे। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान जीते हैं। इतने बड़े कलाकार होने के बावजूद, जाकिर हुसैन बहुत ही सरल और विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। वे अपने संगीत के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। वे अपने संगीत और दर्शकों के प्रति गहरा प्यार रखते थे। वे दर्शकों के सवालों के जवाब देते थे, उनसे बतियाते थे। उस्ताद जाकिर हुसैन को भारत और दुनियाभर में बसे उनके चाहने वाले सदैव याद रखेंगे।

जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च, 1951 को मुंबई में हुआ था। वे उस्ताद अल्लाह रक्खा खान के पुत्र थे, जो खुद एक प्रसिद्ध तबला वादक थे। जाकिर ने तबला बजाना तभी शुरू कर दिया था जब वे ड्रम तक पहुंच सकते थे। अपने पिता के साथ उनका अध्ययन गहन था 'आप दिन के 24 घंटे संगीत के माहौल में बड़े होते हैं,' उन्होंने कहा, 'और आपको कुछ और करने की ज़रूरत नहीं है।' उन्हें एक नवोन्मेषक के रूप में याद किया जाएगा। वे नवाचार को निरंतरता के साथ संतुलित करने की आवश्यकता को समझते हैं: 'आपको अपनी परंपरा के बहुत करीब रहना होगा, लेकिन साथ ही दुनिया की पेशकश में से कुछ को शामिल करने में भी सक्षम होना चाहिए। अब समय आ गया है कि भारतीय संगीत को बाहर की ओर देखना चाहिए, न कि केवल बाहरी दुनिया को भारतीय संगीत से उधार लेने देना चाहिए। जाकिर हुसैन ने न्यूयॉर्क शहर के फिलमोर ईस्ट में रवि शंकर के साथ अपना पहला अमेरिकी प्रदर्शन किया। न्यूयॉर्क में रहते हुए, उनकी मुलाकात गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन से हुई और उनकी दोस्ती ने शक्ति नामक एक संगीत समूह का गठन किया, जिसमें भारतीय वायलिन वादक एल. शंकर भी शामिल थे। पिछले कुछ वर्षों में, जाकिर हुसैन ने कुछ महान भारतीय संगीतकारों के साथ काम किया है और लंदन स्ट्रिंग चौकड़ी और वैन मॉरिसन जैसे विविध कलाकारों के साथ सहयोग किया। उनके हिस्से में दुनिया के तमाम प्रमुख पुरस्कार आए। 1991 में, उन्हें भारत के प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान द्वारा संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित किया गया और 1996 में वे अटलांटा में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह के लिए संगीत रचना में शामिल थे। 73 साल की उम्र में जाकिर हुसैन का निधन हो गया। जाकिर हुसैन ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आखिरी सांस ली। जाकिर हुसैन फेफड़ों से जुड़ी एक गंभीर बीमारी और हाई ब्लड प्रेशर के मरीज थे। जिसके चलते उन्हें दिल से जुड़ी समस्याएं पैदा हुईं। उनकी कला और संगीत सदियों तक हम सबके दिलों में जीवित रहेंगे।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दो टूक
रवि शंकर

'रेवड़ी कल्चर' से बिगड़ रही राज्यों की अर्थव्यवस्था

रेवड़ी कल्चर भले ही चुनाव जीतने और सत्ता पाने की गारंटी बन चुका हो, लेकिन इसका नतीजा ये हो रहा है कि राज्यों की आर्थिक सेहत बिगड़ने लगी है और वो कर्ज के बोझ तले दबने लगे हैं। जाहिर है अगर खर्च ज्यादा और आमदनी कम हो, फिर कर्ज तो लेना ही पड़ेगा। इस तरह की घोषणाएं अक्सर तात्कालिक लाभ तो देती हैं, लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टिकोण से ये देश की वित्तीय स्थिति पर भारी बोझ डालती हैं। भारत जैसे देश में हर तीन-चार महीने बाद किसी न किसी विधानसभा का चुनाव हो रहा होता है और इस नाते राजनीतिक दलों में चुनाव जीतने के लिए रेवड़ी संस्कृति बढ़ती जा रही है। जो वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के रास्ते में एक बड़ी बाधा है। मालूम हो, देश के दक्षिण राज्यों खासकर तमिलनाडु में सबसे पहले मुफ्त बांटने की सियासत शुरू हुई। यहां चुनाव जीतने के लिए मंगलसूत्र, टीवी, प्रेशर कुकर, वॉशिंग मशीन और साड़ी फ्री में बांटी जाने लगी। तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता के कार्यकाल में अम्मा कैंटीन खूब फली-फूली। दक्षिण भारत के बाद अब ये 'रेवड़ी कल्चर' उत्तर भारत के साथ-साथ पूरे देश में वोट पाने का एक शॉर्टकट जरिया बन चुका है। वोटरों को लुभाने के लिए राजनीतिक दलों ने मुफ्त बिजली-पानी, अनाज, लैपटॉप, मोबाइल, स्कूटी और बेरोजगारी भत्ता को हथियार बनाया। इसका नतीजा ये हुआ कि आज कई राज्यों की अर्थव्यवस्था कर्ज के बोझ तले दबने लगी है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि यूरोप के कुछ विकसित देश इसी रेवड़ी संस्कृति के कारण आज आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। भारत के पड़ोस में ही श्रीलंका, पाकिस्तान का भी इसी रेवड़ी संस्कृति ने बुरा हाल किया है। अपने देश में ही देखा जाए तो कई राज्य सरकारें इस रेवड़ी संस्कृति के कारण लगभग दीवालिया होने की कगार पर हैं। उनका बजट घाटा बढ़ता जा रहा है, लेकिन वे मुफ्तखोरी की राजनीति का परित्याग करने के लिए तैयार नहीं। सुप्रीम कोर्ट से लेकर चुनाव आयोग तक मुफ्त की योजनाओं की वजह से आर्थिक असंतुलन और विकास पर पड़ने वाले विपरीत असर को लेकर चिंता व्यक्त करते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चार अगस्त 2022 में इस मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि चुनाव आयोग ने इस मामले में समय रहते कदम उठाया होता है तो शायद कोई भी राजनीतिक दल ये हिम्मत नहीं करता। लेकिन अब मुफ्त रेवड़ियां बांट कर वोट बटोरना भारत के राजनीतिक दलों का मुख्य हथियार बन गया है। अहम प्रश्न ये है कि लोकलुभावन वादों को नैतिक माना जाए या अनैतिक? क्या इन पर रोक नहीं लगनी चाहिए? इसे लेकर देश में दशकों से प्रश्न उठाए जाते रहे हैं। इस पर राजनीतिक दलों की राय अलग-अलग है। मुफ्त के वादे करने वाले दलों का तर्क है कि देश के विकास और समाज में समानता लाने के लिए ऐसा करना जरूरी है, अन्यथा समाज में विषमता बनी रहेगी। वहीं, विरोध करने वालों का कहना है कि ऐसी घोषणाएं आर्थिक ढांचे को कमजोर करने और असंतुलन बढ़ाने के अतिरिक्त कुछ नहीं करतीं। सुप्रीम कोर्ट भी इस मुद्दे पर एक राय व्यक्त नहीं कर सका है। इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया भी 'रेवड़ी कल्चर' से देश को होने वाले नुकसान को लेकर आगाह कर चुका है। 'स्टेट फाइनेंसेसः अ रिस्क एनालिसिस' नाम से आई आरबीआई की रिपोर्ट की मानें तो पंजाब, राजस्थान, केरल, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों की हालत डांवाडोल है। सब्सिडी पर राज्य सरकारों के खर्च में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे कर्ज बढ़ता जा रहा है। सब्सिडी पर सबसे ज्यादा खर्च उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, केरल और तेलंगाना ने किया। वहीं पंजाब, गुजरात और छत्तीसगढ़ सरकार ने सब्सिडी पर अपने रेवेन्यू एक्सपेंडिचर का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य सरकारें सब्सिडी की बजाय मुफ्त दे रही हैं, जिससे फ्री पानी, फ्री बिजली, बिल माफी और कर्ज माफी से सरकारों को कोई कमाई नहीं हो रही है। उल्टे सरकार को इस पर खर्च करना पड़ रहा है। बहरहाल, वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा है कि राजनीतिक दलों ने 'रेवड़ी कल्चर' को अपना अधिकार समझ लिया है। उन्हें ये ध्यान रखना चाहिए कि जनता को जानने का अधिकार है कि उससे किए जा रहे वादे कैसे पूरे होंगे? उनके लिए धन कहां से आएगा? साथ ही, उन्होंने इस बाबत उम्मीदवारों या संबंधित राजनीतिक दलों से एक प्रपत्र भरवाने की प्रक्रिया शुरू करने की बात भी कही है। चुनाव आयोग के इस रुख से उम्मीद जगी है कि देरे-सबेर 'रेवड़ी कल्चर' पर रोक लगेगी।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं. ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर के सान्निध्य में ही मिलता है आत्मबल

संकलित
दर्शन

जब व्यक्ति किसी कार्य को करने चलता है, तो उसके मन-हृदय में बारंबार विचार-भाव उठते हैं कि वह कार्य करें या नहीं, उससे होगा या नहीं और परिणाम भी सफलता और असफलता के रूप में सामने आता है। किसी कार्य को करने के लिए बल की आवश्यकता होती है। इसके बिना उसको गति देना असंभव है। कई बार किसी कार्य को करते समय नाना-प्रकार के संकट उसमें बाधा बन खड़े हो जाते हैं। ऐसे में कोई व्यक्ति उस कार्य को बीच में ही छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उसे असफलता हाथ लगती है। असफलता यह सिद्ध करती है कि अमुक कार्य को पूरे मनोयोग से नहीं किया गया। मनोयोग का अर्थ होता है-तन, मन और हृदय से समर्पित होकर किसी कार्य को करना। किसी कार्य में सफल होने के लिए व्यक्ति में मानसिक संतुलन, विश्वास, जिज्ञासा, लगन, संघर्ष करने की क्षमता और तन्मयता जैसे गुणों का होना जरूरी होता है। इनकी प्राप्ति आत्मबल से होती है। आत्मबल की प्राप्ति के लिए ईश्वर के सान्निध्य में जाना पड़ता है। सान्निध्य पाने के लिए ईश्वर का विश्वास आवश्यक है। विश्वास पाने के लिए तप-साधना करनी पड़ती है। चूंकि आत्मबल में ईश्वर की शक्ति निहित होती है, इसीलिए इसे ब्रह्मबल भी कहते हैं। आत्मबल से संपन्न मनीषी के लिए कोई कार्य असंभव नहीं रहता है। उसका कोई कार्य बीच में नहीं रुकता है। जब शरीरबल और मनोबल टूट जाता है तो उस समय आत्मबल सहारा देता है। आत्मबल से युक्त व्यक्ति कभी हताश-निराश नहीं होता है।

मंत्र का असर

संकलित
प्रेरणा

एक निर्धन औरत एक साधु के पास गई, 'स्वामी जी! कोई ऐसा पवित्र मन्त्र लिख दीजिये जिससे मेरे बच्चों का रात को भूख से रोना बन्द हो जाये...।' साधु ने कुछ पल एकटक आकाश की ओर देखा फिर अपनी कुटिया में अन्दर गया और एक पीले कपड़े पर एक मन्त्र लिखकर उसे ताबीज की तरह लपेट-बाँधकर उस महिला को दे दिया। साधु ने कहा, 'इस मन्त्र को घर में उस जगह रखना, जहाँ अपनी मेहनत की कमाई का धन रखती हो।' महिला खुश होकर चली गई। ईश्वर कृपा से उस दिन उसके पति की आमदनी ठीक हुई और बच्चों को भोजन मिल गया। रात शान्ति से कट गई। अगले दिन भोर में ही उन्हें पैसों से भरी एक थैली घर के आंगन में मिली। थैली में धन के अलावा एक पर्चा भी निकला, जिस पर लिखा था, कोई कारोबार कर लें...। इस बात पर अमल करते हुवे उस औरत के पति ने एक छोटी सी दुकान किराए पर ले ली और काम शुरू किया। धीरे धीरे कारोबार बढ़ा, तो दुकानें भी बढ़ती गईं...। जैसे पैसों की बारिश सी होने लगी...। पति की कमाई तिजोरी में रखते समय एक दिन उस महिला की नज़र उस मन्त्र लिखे कपड़े पर पड़ी...। 'न जाने, साधु महाराज ने ऐसा कौन सा मन्त्र लिखा था कि हमारी सारी तंगी दूर हो गई?' सोचते सोचते उसने वह मन्त्र वाला कपड़ा खोल डाला...। जिस लिखा था कि.. जब पैसों की तंगी समाप्त हो जाये, तो सारा पैसा तिजोरी में छिपाने की बजाय कुछ पैसे ऐसे घर में डाल देना जहाँ से रात को बच्चों के रोने की आवाज़ें आती हों..!!

अंतर्मन

आज की पाती

बांग्लादेश का हिंदू किसके भरोसे?

विश्व के अनेक देशों में आज युद्ध की जो स्थिति बनी हुई है, वैसा ही संकट बांग्लादेश में उत्पन्न हो रहा है। इस संकट का बीजारोपण आज नहीं, बल्कि धर्म और जिहाद की आड़ में वर्षों पहले ही रोपित हो चुका था। बांग्लादेश, जो कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भारत का घनिष्ट पड़ोसी है, वहां अल्पसंख्यक समुदाय, विशेष रूप से हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार न केवल मानवाधिकारों का हनन है, बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता और भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिए भी चुनौती बन गया है। बीते कुछ वर्षों में, बांग्लादेश में चरमपंथी ताकतों का उभार हुआ है और उनके हाथों में सत्ता की चाबी आने के बाद से स्थिति और भी विकट हो गई है। बांग्लादेश में हिंदू लंबे समय से उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। *– सतीश जायसवाल, दुर्ग*

ट्रेंड

वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि

आज, विजय दिवस पर, हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया था। यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अटल भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा प्रेरित करेगा।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

घोटालों से पहचान

मध्य प्रदेश की पहचान आज घोटालों से हो गई है। किसान के साथ खाद और बीज में घोटाला, नौजवानों के साथ रोजगार में घोटाला और हर काम में घोटाला। किसान खाद बीज और फसल के सही दाम के लिए परेशान हो रहे हैं।
-कमलनाथ, पूर्व सीएम मप्र

भ्रष्टाचार और भूमाफिया

बरेली में लापता लेखापाल का सिर नाले में मिलने के बाद परिजनों ने उप्र के अंदर चल रही उस सांठगांठ पर अंदेशा जताया है जिसके एक छोर पर सरकारी भ्रष्टाचार और दूसरे छोर पर भूमाफिया है।
-अखिलेश यादव, सपा सांसद

ज़ाकिर के निधन पर दुख

जाकिर हुसैन के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। एक सच्चे उस्ताद के रूप में, मंच पर उनकी उपस्थिति किसी रॉक स्टार से कम नहीं थी। उन्होंने भारतीय और वैश्विक संगीत पर अमिट छाप छोड़ी।
-अनिल कपूर, अभिनेता

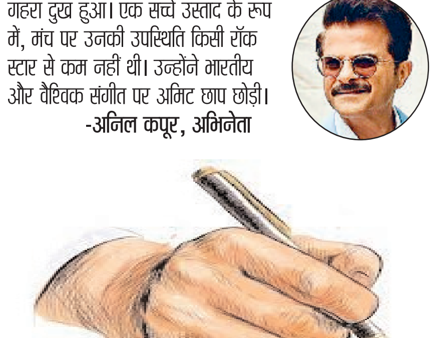

करंट अफेयर

भारतीयों के लिए द. अफ्रीका में पर्यटन की संभावनाएं

दक्षिण अफ्रीका की पर्यटन मंत्री पैट्रिसिया डी लिली ने हाल में भारत की यात्रा से लौटने के बाद कहा कि भारतीय बाजार के लिए एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में दक्षिण अफ्रीका में अपार संभावनाएं हैं। डी लिली ने भारत में दक्षिण अफ्रीका के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य भारतीय पर्यटन व्यापारियों, टूर ऑपरेटर और संघों, कारोबारी दिग्गजों और मीडिया के साथ सीधे संपर्क स्थापित करना था। इस मकसद था कि भारत से दक्षिण अफ्रीका आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी के लिए निकट सहयोग से काम किया जा सके। डी लिली ने कहा, 'इस मिशन का उद्देश्य पर्यटन उद्योग के दिग्गजों और पर्यटन मूल्य श्रृंखला में अन्य प्रासंगिक हितधारकों के साथ संवाद के माध्यम से संबंध बनाना तथा पर्यटन को आर्थिक विकास के एक उपकरण के रूप में महत्व देना था।' उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता के दौरान यहां पर्यटन संबंधी स्थलों को बढ़ावा देने पर भी टिप्पणी की। दक्षिण अफ्रीका ने इस वर्ष एक दिसंबर को ब्राजील से जी-20 समूह की अध्यक्षता संभाली।

ऑफ बीट

गर्म होती दुनिया में पक्षी अपना स्वरूप बदल रहे

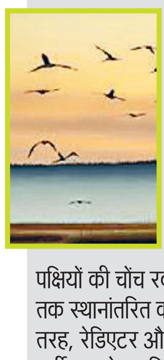

हालिया शोधों से पता चला है कि, तापमान वृद्धि के कारण, समय के साथ ऑस्ट्रेलियाई पक्षियों की 100 से अधिक प्रजातियों के शरीर छोटे और चोंच बड़ी हो गई हैं। जब हम आकार बदलने की बात करते हैं, तो हम 'वेयरवुल्फ' (एक व्यक्ति जो कुछ समय के लिए भेड़िये में बदल जाता है) या 'एंट-मैन' की बात नहीं कर रहे हैं। बल्कि, हम शरीर के आकार के छोटे होने और चोंच, पूंछ जैसे उपांगों के बड़े होने की बात कर रहे होते हैं। इससे जीवों को ज्यादा गर्मी को अधिक कुशलता से सहन करने में मदद मिलती है। जिस प्रकार रेडिएटर में गर्म पानी की पाइप परिधि के माध्यम से आंतरिक गर्मी को फैलाने में मदद करती है, उसी प्रकार पक्षियों की चोंच रक्त वाहिकाओं से जुड़ी होती है जो गर्मी को शरीर से चोंच तक स्थानांतरित करती है, जहां से यह पर्यावरण में घुल जाती है। इस तरह, रेडिएटर और चोंच दोनों के लिए, संरचना के सतह क्षेत्र को बढ़ाने से गर्मी का लोप अधिकतम हो जाता है। शरीर के आकार और गर्मी के लोप के बीच संबंध के कारण यह अनुमान लगाया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण वक्त के साथ जानवरों के शरीर का आकार बदल जाएगा।

योगी ने सपा विधायकों को दिखाया आईना

सीएम ने विधानसभा में बताया- कैसे डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश की बदल कर रख दी पहचान

संवाददाता

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन शिक्षा क्षेत्र में सरकार द्वारा किए गए कार्यों को रखा। उन्होंने सपा विधायक मनोज कुमार पारस, पूजा, पंकज पटेल के मुद्दे को महत्वपूर्ण व संवेदनशील बताया, लेकिन नसीहत दी कि सदस्यों को सदन की गरिमा व मयार्दा को ध्यान में रखकर तथ्यपरक बातें रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग में सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। हमारी सरकार ने 1.60 लाख से अधिक भर्तियां शिक्षा विभाग में की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समग्र शिक्षा (बेसिक, माध्यमिक, उच्च, तकनीकी, व्यावसायिक, चिकित्सा शिक्षा) को लेकर नया चयन बोर्ड (उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग) बनकर तैयार है। वह विभिन्न विभागों से अधियाचन मांगकर नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। हमारी सरकार ने अकेले शिक्षा विभाग में ही 1.60 लाख से अधिक भर्तियां की हैं। यह वे भर्तियां हैं, जो पिछली सरकार की बदनीयती के कारण भरी नहीं जा सकी थीं।

आरक्षण के नियमों का हो रहा अक्षरश: पालन

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगारी देश, दुनिया व उत्तर प्रदेश के सामने चुनौती है। उत्तर प्रदेश दुनिया के अंदर सबसे युवा राज्य है। 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 56 से 60 फीसदी आबादी वर्किंग फोर्स-युवा है। हमारी सरकार ने राज्य के युवाओं को ध्यान में रखकर अनेक कार्य किए हैं। पिछले सत्र में हमारी सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सार्वजनिक परीक्षा व अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम -2024 को पारित किया। प्रदेश के युवाओं को ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ सरकारी नौकरियां

प्राप्त हो रही हैं। इसमें आरक्षण के नियमों का अक्षरशः पालन किया जा रहा है।

सदस्यों द्वारा रखे गए आंकड़े तथ्यपरक नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर सदस्यों द्वारा रखे गए आंकड़े तथ्यपरक नहीं हैं। यदि उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भर्तियों की प्रक्रिया को पूर्ण करने की बात है तो 69000 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र जारी हुए हैं, वे सभी चार वर्षों से स्कूलों में पढ़ा भी रहे हैं। उससे पहले 68500 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को संपन्न किया गया, क्योंकि उस समय बीएड को एनसीटीई ने उस परीक्षा के योग्य नहीं माना था और उस समय बीटीसी के इतने अभ्यर्थी हमारे पास नहीं थे। इसमें केवल 42 हजार शिक्षकों की भर्ती हो पाई थी, जो आज बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में पढ़ा रहे हैं। इन सभी को नियुक्ति पत्र जारी हुआ।

पिछली सरकारों ने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया था

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया था। शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक के रूप में भर्ती किया था। माननीय उच्चतम न्यायालय ने उन्हें खारिज करके सेवाओं को समाप्त करने का आदेश किया था, लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें निश्चित मानदेय पर रखा है। वे सभी शिक्षामित्र भी यथावत कार्य कर रहे हैं। उन्हें वेटेज देकर भर्ती प्रक्रिया से जोड़ा गया था। माननीय उच्चतम न्यायालय की मंशा के अनुरूप कदम उठाए गए थे। 44,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग बोर्ड व उच्चतर शिक्षा चयन आयोग बोर्ड के द्वारा संपन्न की जा चुकी है।

सीएम ने कराया हकीकत से वाकिफ

मुख्यमंत्री ने कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में बड़ी विनम्रता से कहूंगा कि पिछड़ी जाति के 27 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर 18 हजार पद आरक्षित होते हैं और पिछड़ी जाति के उसमें 32,200 से अधिक नौजवान भर्ती हुए हैं। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण की सीमा 21 फीसदी है, जिसमें 12 हजार पद उनके लिए आरक्षित होते हैं, लेकिन भर्ती हुई है 14 हजार से अधिक की। ये चीजें दिखाती हैं कि अपनी योग्यता और मेरिट से जो लोग आगे बढ़े हैं, उन्हें जनरल कैटेगरी का भी लाभ दिया गया है। जनरल के जो 34,500 पद थे, उसमें भर्ती हुई है मात्र 20 हजार। यह उन सबके लिए आंखें खोलने वाला होना चाहिए, जो इनके नाम पर राजनीति करके समाज में बंटवारे की खाई को चौड़ा करना चाहते हैं।

नशामुक्ति के लिए सांसदों को अपने क्षेत्रों में आंदोलन चलाना होगा: लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

नयी दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से नशामुक्ति के लिए अपने क्षेत्रों में आंदोलन चलाने की अपील करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की समस्या को समाप्त करना ही होगा। बिरला ने सदन में प्रश्नकाल में कहा, नशामुक्ति के लिए सभी सदस्यों को अपने क्षेत्रों में बड़ा आंदोलन चलाना चाहिए। यह सामाजिक आंदोलन से ही संभव होगा और नशे की समस्या को समाप्त करना ही होगा। उन्होंने यह बात उस समय कही, जब सदस्य तटीय सुरक्षा और अवैध मादक द्रव्यों की तस्करी से संबंधित पूरक प्रश्न पूछ रहे थे।

पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस सरकार में अवैध मादक पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा में जब्ती इसलिए हो रही है क्योंकि निगरानी भी बढ़ी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से 2024 के बीच मादक पदार्थों की जब्ती बढ़ी है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले 257 किलोग्राम मादक पदार्थ तस्करी किए जाते हुए पकड़ा गया था और इस साल यह आंकड़ा 12,617 किलोग्राम हो गया है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की जब्ती भी एक दशक में 7,000 किलोग्राम से करीब 500 गुना बढ़कर 4.15 लाख किलोग्राम के करीब पहुंच गई है। राय ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के प्रयास में इनकी अत्यधिक मात्रा में जब्ती का मतलब है कि भारत के अंदर तस्करी की साजिश को रोका जा रहा है। उन्होंने कहा, पहले जब्ती कम होती थी क्योंकि ऐसा तंत्र नहीं था।

मौसम

अधिकतम तापमान 23.c

न्यूनतम तापमान 7.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,526.14

निफ्टी 24,641.80

सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने का दिया निर्देश

दोनों संप्रदायों की जनसंख्या और संपत्ति के बारे में डेटा मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली,केरल में मलंकारा ऑर्थोडॉक्स और जैकोबाइट चर्चों के बीच विवाद पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल यथास्थिति बरकरार रखी जानी चाहिए। डेढ़ घंटे से ज्यादा चली सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई जनवरी तक के लिए टाल दी। शीर्ष अदालत के यथास्थिति (चीजें वैसे ही बनी रहनी चाहिए जैसी वे वर्तमान में हैं) के आदेश का मतलब था कि चर्चों का वर्तमान प्रबंधन अगली सुनवाई तक वैसा ही रहेगा। इस मामले में लंबे समय से चला आ रहा मुद्दा शामिल है कि क्या मलंकारा ऑर्थोडॉक्स चर्च या जैकोबाइट चर्च कुछ चर्चों, कब्रिस्तानों और संबंधित संपत्तियों को नियंत्रित और प्रबंधित करता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि सुप्रीम कोर्ट दोनों समूहों के बीच कोई संघर्ष या समस्या नहीं चाहता है और कहा कि दोनों पक्षों को सामंजस्य बिठाने की जरूरत है। अदालत ने तब दोनों पक्षों को आवश्यक रिकॉर्ड, जैसे पैरिश रजिस्टर और सदस्यों की सूची प्रदान करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि दोनों सुनवाई के बीच कोई अप्रिय घटना न हो।

जयपुर पहुंचकर पीएम मोदी ने दी करोड़ों की सौगात

भजनलाल के 1 साल को प्रदेश के फैलते प्रकाश और राजस्थान के विकास का बताया उत्सव

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जयपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 1 वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने में भजनलाल जी और उनकी पूरी टीम ने बहुत परिश्रम किया है। ये पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों को मजबूत नींव बना है। आज का उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं है, ये राजस्थान के फैलते प्रकाश का भी उत्सव है, राजस्थान के विकास का

भी उत्सव है। अभी कुछ दिन पहले ही मैं निवेश शिखर सम्मेलन के लिए राजस्थान आया था। देश और दुनिया भर के बड़े-बड़े निवेशक यहां जुटे थे। आज यहां 45-50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। ये परियोजना राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थायी समाधान करेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं राजस्थान की जनता, राजस्थान की भाजपा सरकार को 1 साल पूरा करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं और इस 1 साल की यात्रा के बाद आप जब आशीर्वाद देने आए हैं। आप इतनी बड़ी तादाद में आशीर्वाद देने आए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि आज मैं आपके आशीर्वाद को प्राप्त कर सका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस कभी आपके जीवन से पानी की मुश्किले कम नहीं करना चाहती थी... कांग्रेस समाधान के बजाय राज्यों के बीच जल विवाद को ही बढ़ावा देती रही। राजस्थान ने इस कूटनीति के कारण बहुत कुछ भुगता है। अभी कुछ दिन पहले ही महाराष्ट्र में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई है और चुनाव नतीजों के हिसाब से देखें तो वहां भी लगातार तीसरी बार बहुमत मिला है। वहां भी पहले से कहीं अधिक सीटें भाजपा को मिली हैं। इससे पहले हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। हरियाणा में भी पहले से ज्यादा बहुमत लोगों ने दिया है। अभी हुए राजस्थान के उपचुनाव में भी हमने देखा है कि कैसे भाजपा को लोगों ने जबरदस्त समर्थन दिया है। ये दिखाता है कि भाजपा के काम और भाजपा के कार्यकताओं की मेहनत और आज जनता-जनार्दन को कितना विश्वास है।

संक्षिप्त समाचार

वीर सावरकर को भारत रत्न देना चाहिए, उद्धव ने कर दी मांग, कांग्रेस को भी खूब सुनाया

एजेंसी

नई दिल्ली, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न देने की अपनी मांग दोहराई। महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए नागपुर में मौजूद ठाकरे ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और भाजपा से सवाल किया कि वे वीर सावरकर को भारत रत्न कब प्रदान करेंगे। "वीर सावरकर के संबंध में मैं पूछना चाहता हूं कि उन्हें भारत रत्न क्यों नहीं दिया जाना चाहिए।

अमृतसर के इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन के पास विस्फोट से दहशत

गैंगस्टर ने ली जिम्मेदारी, निवासियों ने बताई आपबीती

एजेंसी

नई दिल्ली, मंगलवार सुबह पंजाब के अमृतसर में इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन के पास जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। विस्फोट सुबह करीब 3 बजे हुआ, जिससे लोग चौंक गए और शांतिपूर्ण रात में खलल पड़ गया। निवासियों ने कहा कि आवाज इतनी तेज थी कि घर हिल गए और कुछ ने कहा कि प्रभाव के कारण दीवारों से पेंटिंग गिर गईं।

पुलिस स्टेशन के अंदर कोई विस्फोट नहीं

इस्लामाबाद के पुलिस अधिकारी जसबीर सिंह ने विस्फोट की आवाज सुनने की पुष्टि की, लेकिन स्पष्ट किया कि पुलिस स्टेशन परिसर के अंदर कोई विस्फोट नहीं हुआ। अधिकारी वर्तमान में विस्फोट के स्रोत और विस्फोट के सटीक स्थान की जांच कर रहे हैं। अधिक जानकारी के लिए पूछे जाने पर, स्थानीय पुलिस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिससे घटना को लेकर संदेह और बढ़ गया।

गैंगस्टर ने ली जिम्मेदारी

गैंगस्टर जीवन फौजी ने कथित तौर पर अपुष्ट स्रोतों के माध्यम से विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, पंजाब पुलिस ने अभी तक घटना की पुष्टि नहीं की है या गैंगस्टर

की संलिप्तता पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

स्थानीय प्रतिक्रिया और चल रही जांच

शक्तिशाली विस्फोट के बाद क्षेत्र के निवासी अभी भी दर्द में हैं। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज कंपन और शोर के कारण पूरा समुदाय जाग गया। अधिकारियों ने विस्फोट के कारण का पता लगाने और भीड़ द्वारा किए गए दावों की पुष्टि करने के लिए जांच शुरू कर दी है।

अमृतसर में इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन के पास सुबह करीब 3 बजे जोरदार धमाका हुआ।

पुलिस ने पुष्टि की है कि स्टेशन परिसर के अंदर कोई विस्फोट नहीं हुआ।

गैंगस्टर जीवन फौजी ने घटना की जिम्मेदारी ली है।

पंजाब पुलिस ने अभी तक दावे की पुष्टि नहीं की है और न ही कोई और जानकारी साझा की है।

स्थिति की जांच जारी है और अधिकारी तथ्यों को उजागर करने के लिए काम करते समय निवासियों से शांत रहने का आग्रह कर रहे हैं।

भाजपा की एक राष्ट एक चुनाव के पीछे की मंशा एक राष्ट्र कोई चुनाव नहीं : के. सी. वेणुगोपाल

एजेंसी

बेलगावी(कर्नाटक) । कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था संबंधी दो विधेयकों को लोकसभा में पेश किये जाने को लेकर मंगलवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव के पीछे की स्पष्ट मंशा एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक चुनाव को अव्यावहारिक करार दिया और संसद में संबंधित विधेयकों के पारित होने पर संदेह व्यक्त किया। वेणुगोपाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव का अभिप्राय और स्पष्ट मंशा - एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। भाजपा का मुख्य एजेंडा एक राष्ट्र, कोई चुनाव नहीं है। वे बिल्कुल भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं चाहते हैं। पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धीरे-धीरे नष्ट करने के लिए, वे एक राष्ट्र एक चुनाव का यह नया विचार ला रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने यहां संवाददाताओं से कहा, कर्नाटक की अपनी विशेषता है। केरल की अपनी विशेषता है, इसी तरह मणिपुर और जम्मू कश्मीर की भी अपनी-अपनी विशेषता है। विविधता में एकता इस देश की खूबसूरती है।

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क्र०...ब-121/2024-25

ग्राम- उफिया तहसील राजपुर

-ईश्तहार::-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंगरा आ० स्व० झिंगा जाति पहाड़ी कोरवा निवासी ग्राम उफिया थाना तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा अपने पिता स्व० झींगा की मृत्यु ग्राम उफिया में दिनांक 12.05.2016 को हुआ है। किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण प्जीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 19/12/2024 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी

राजपुर, जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

हमारा लोकतंत्र पाताल तक पहुंचा, राज्यसभा में अमित शाह बोले- देश की जनता ने किया अनेक तानाशाहों का अभिमान चूर-चूर

एजेंसी

नई दिल्ली, सरकार ने लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन बिल पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दो विधेयक पेश किए। इनमें संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक शामिल हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने लोकसभा में सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया था। वहीं, राज्यसभा में संविधान पर चर्चा जारी रही। राज्यसभा में संविधान पर चर्चा का गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब दिया। अमित शाह ने कहा कि पास पड़ोस में दुनियाभर में कई लोग आजाद हुए। वहां नई शुरूआत की। लेकिन वहां आकस्मात हुए लोकतंत्र सफल नहीं हुआ। हमारा लोकतंत्र आज पाताल तक गहरा पहुंचा है। अनेक परिवर्तन रक्त की एक बूंद बहाए बगैर हमने किए हैं। विचारधारा के आधार पर भी परिवर्तन किए हैं। अनेक तानाशाहों के घुमान, अभिमान और अहंकार को चूड़ चूड़ करने का काम इस देश की जनता ने किया है। संसद के दोनों सदनों में जो चर्चा हुई, वह देश के युवाओं के लिए शिक्षणात्मक रहेगी...इससे देश के लोगों को यह समझने में भी मदद मिलेगी कि किस पार्टी ने संविधान का सम्मान किया... मैं सरदार पटेल को धन्यवाद देता हूं उनके अथक परिश्रम के कारण देश एक होकर दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा है।

अमित शाह ने कहा कि जो कहते थे कि हम आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाएंगे उनको भी हमारी जनता ने और संविधान की खूबसूरती ने जवाब दिया है। हम दुनिया का पांचवा अर्थतंत्र बनकर सम्मान के साथ हैं। जिन्होंने सालों तक हमपर राज किया है। आज ब्रिटेन भी अर्थतंत्र की तालिका में हमारे पीछे खड़ा है। ये हम सब के लिए गौरव लेने का पल है। ये सदन अपने 80 से ज्यादा सांसदों को बोलने का मौका दिया 31 घंटे की बहस हुई है। आज हम जिस मुकाम पर खड़े हैं उस मुकाम पर महर्षि अरविंद और स्वामी विवेकानंद की वो भविष्यवाणी सच होती दिखा रही है। भारत माता मान ओजस्वी स्वरूप से खड़ी होगी दुनिया की आंखें चकाचौंध हो जाएगी। वो दिन नजदीक है।

हमारे संविधान में संविधान को कभी भी अपरिवर्तनीय नहीं माना गया है। अनुच्छेद 368 में संविधान में संशोधन का प्रावधान है...कुछ राजनेता 54 वर्ष की आयु में खुद को 'युवा' कहते हैं। संविधान लेकर घूमते रहते हैं और कहते हैं कि संविधान बदल देंगे। मैं बताना चाहता हूं कि संविधान में संशोधन का प्रावधान अनुच्छेद 368 में है...भाजपा ने 16 साल तक शासन किया और हमने संविधान में 22 परिवर्तन किए। कांग्रेस ने 55 साल राज किया और 77 परिवर्तन किए।

कोयंबटूर सीरियल ब्लास्ट के मास्टरमाइंड बाशा की मौत

अंतिम संस्कार के दौरान महौल खराब होने की संभावना, पुलिस बल तैनात

एजेंसी

कोयंबटूरः 1998 के कोयंबटूर सीरियल बम धमाकों के मास्टरमाइंड एसए बाशा का 16 दिसंबर को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। 84 वर्षीय बाशा प्रतिबंधित संगठन अल-उम्मा के संस्थापक-अध्यक्ष थे और उन धमाकों के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे, जिनमें 58 लोगों की जान चली गई थी और 231 लोग घायल हुए थे। मंगलवार शाम को होने वाले बाशा के अंतिम संस्कार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कोयंबटूर में पुलिस की बड़ी तैनाती की गई है। इस उद्देश्य के लिए लगभग 2,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है।

अंतिम संस्कार जुलूस के मद्देनजर शहर में पुलिस बल तैनात

एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को बाशा के प्रस्तावित अंतिम संस्कार जुलूस के मद्देनजर शहर में पुलिस बल तैनात किया गया है। इंडियन नेशनल लीग पार्टी के नेता जे रहीम ने कहा, वह पैरोल पर था और पिछले कुछ समय से उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। तबीयत बिगड़ने पर उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 35 साल जेल में रहने के बाद सोमवार शाम को उसकी मौत हो गई।

1998 के धमाकों के सिलसिले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे

84 वर्षीय बाशा और अल-उम्मा के 16 अन्य लोग 1998 के धमाकों के सिलसिले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। हाल ही में मद्रास उच्च न्यायालय ने उसे पैरोल दी थी। पुलिस ने बताया कि बाशा के परिवार के सदस्य दक्षिण उक्कदम से फूल मार्केट स्थित हैदर अली टीपू सुल्तान सुन्नत जमात मस्जिद तक अंतिम संस्कार जुलूस निकालने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

बाशा प्रतिबंधित संगठन अल-उम्मा का संस्थापक-अध्यक्ष है और उसने 14 फरवरी को सिलसिलेवार बम विस्फोटों की योजना बनाई थी जिसमें 58 लोगों की जान चली गई थी। पुलिस ने बताया कि विस्फोटों में 231 लोग घायल हुए थे। मई 1999 में, क्राइम ब्रांच सीआईडी की विशेष जांच टीम ने बाशा के खिलाफ एक आरोपपत्र दायर किया, जिसमें उस पर आत्मघाती दस्ते का उपयोग करके भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। इस बीच, भाजपा तमिलनाडु के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने पुलिस से अंतिम संस्कार जुलूस की अनुमति न देने का आग्रह किया है, क्योंकि अगर किसी अपराधी, आतंकवादी, हत्यारे को शहीद के रूप में सम्मानित किया जाता है, तो इससे समाज में एक बुरी मिसाल कायम होगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में तिरुपति ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह कितना भी निर्दयी हत्यारा क्यों न हो, अपने अंतिम संस्कार की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन यह शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए, न कि किसी बड़े सम्मान के साथ, जिसके वे हकदार नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि कट्टरपंथी विचार और हिंसा, और सांप्रदायिक समस्याएं 1998 के कोयंबटूर बम विस्फोटों से शुरू हुईं और बाशा इसके लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार व्यक्ति था। आज भी, विभिन्न राजनीतिक दलों और आंदोलनों में सैकड़ों लोग ऐसे हैं जो प्रतिबंधित अल-उम्मा के सदस्य थे। उन्होंने कहा, यह जुलूस 1998 की भूली-बिसरी यादें ताजा कर सकता है और इससे भविष्य में बड़े सांप्रदायिक मुद्दे पैदा हो सकते हैं।

टीनएज के दौरान कई तरह के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलाव होते हैं। कुछ बच्चे इन बदलावों से संतुलन स्थापित नहीं कर पाते और आइडेंटिटी क्राइसिस फेज से गुजरने लगते हैं। इससे उनके बिहेवियर में कुछ असामान्यता दिख सकती है। ऐसी कंडीशन में पैरेंट्स क्या करें, कैसे अपने बच्चे को सही गाइडेंस दें, यह जानना बहुत जरूरी है।

कहीं आपका टीनएज बच्चा

आइडेंटिटी क्राइसिस को फेस तो नहीं कर रहा

कवर स्टोरी

सरस्वती रमेश

महिमा का सोलह वर्षीय बेटा दूसरे बच्चों से कुछ अलग है। उसे दोस्तों के साथ एंज्वॉय करना पसंद नहीं है। ज्यादा बातें करना भी अच्छा नहीं लगता। जब महिमा उसे सबके साथ मिलने-जुलने के लिए कहती तो वह अपनी किताबों में सिर गड़ा लेता या टीवी खोलकर या फिर मोबाइल लेकर बैठ जाता। उसका व्यवहार कुछ ऐसा होता जैसे उसकी कोई दूसरी दुनिया हो, जिसमें वह खोया रहता है। महिमा उसके इस व्यवहार से चिंतित रहती। कभी-कभी चिढ़ भी जाती, डांट-फटकार देती। लेकिन उस पर कुछ असर नहीं होता। महिमा को समझ में नहीं आ रहा था कि उसका बच्चा दूसरों के जैसा नॉर्मल बिहेव क्यों नहीं करता है? एक दिन उसकी अपनी एक मनोचिकित्सक सहेली ने बताया, 'तुम्हारे बेटे को आइडेंटिटी क्राइसिस की प्रॉब्लम है।' सिमरन इसके बारे में बिल्कुल अनजान थी, वह घबरा गई। लेकिन उसकी मित्र ने उससे धीरज बंधाते हुए समझाया, 'यह कोई बड़ी बात नहीं है। इस कंडीशन से बेटे को निकाला जा सकता है।' सहेली ने आइडेंटिटी क्राइसिस के बारे में विस्तार से महिमा को बताया।

क्या है आइडेंटिटी क्राइसिस

आइडेंटिटी क्राइसिस. किशोरावस्था यानी टीनएज में होने वाली एक मनोवैज्ञानिक समस्या है। हालांकि यह किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन इसकी शुरुआत आमतौर पर टीनएज से ही होती है। इस उम्र के कुछ बच्चे घर-परिवार, समाज में अपनी पहचान तलाशने की कोशिश करते हैं। ऐसे टीनएज बच्चे व्यवहार में अन्य बच्चों से कुछ अलग दिखते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इंट्रोवर्ट या संकोची होते हैं। लेकिन ये कहीं से भी एब्नॉर्मल नहीं होते, जैसा कि आमतौर पर परिवार के सदस्यों या समाज में सोच लिया जाता है। मनोविज्ञान की भाषा में कहें तो आइडेंटिटी क्राइसिस किसी व्यक्ति की खुद की अनुभूतियों, मूल्यों और विश्वासों के बारे में अनिश्चितता या भ्रम की स्थिति को कहते हैं। अकसर यह तब होता है, जब टीनएज बच्चे या युवा किसी सामाजिक, पारिवारिक, व्यक्तिगत या मानसिक संघर्ष से जूझ रहे होते हैं। उनकी अपनी पहचान असुरक्षित और अस्थिर लगती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि यह हमारे मानसिक विकास का हिस्सा है। आमतौर पर सभी इस स्थिति से गुजरते हैं। किसी में आइडेंटिटी क्राइसिस के लक्षण ज्यादा होते हैं तो किसी में कम।

आइडेंटिटी क्राइसिस के लक्षण

अपनी पहचान के लिए जूझ रहे किशोर या युवा अकसर अपने जीवन के उद्देश्य को लेकर अनिश्चित होते हैं, अपने लक्ष्यों के प्रति सशंकित भी। ऐसे बच्चे अपनी बात आसानी से दूसरों से कह नहीं पाते। इन्हें अपनी बात के इंपैक्ट को लेकर हमेशा भय सताता है। ये बच्चे दोस्तों, रिश्तेदारों के बीच सहज नहीं होते। सबसे कटे रहते हैं, अकेले रहना चाहते हैं। इनका स्वभाव भी बहुत चिड़चिड़ा या बहुत शांत हो जाता है। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने से कतराते हैं। भीड़ में असहज हो जाते हैं। कोई भी फैसला लेने में ये बच्चे दुविधा की स्थिति में रहते हैं। इनके लिए फैसले अकसर गलत हो जाते हैं। ऐसे टीनएज बच्चे किसी काम को करते वक्त खुद से ज्यादा दूसरों की अपेक्षाओं के बारे में सोचते हैं। जरा-सी कठिनाई आने पर घबरा जाते हैं। इससे उबरने के लिए खुद पर भरोसा नहीं करते। एक तरह से अपने सामान्य जीवन में हर कदम पर मानसिक संघर्ष करते हैं।

क्या हैं आइडेंटिटी क्राइसिस के कारण

किशोरावस्था शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलाव का समय होता है। इस वक्त बच्चे अपने खान-पान, रहन-सहन, परिवेश, बर्ताव, जिम्मेदारियां सबके प्रति अधिक कॉन्शस और इमोशनल हो जाते हैं। प्रतिकूल बातें इन पर अतिरिक्त प्रेशर क्रिएट करती हैं, जैसे- स्टडी और रिजल्ट को लेकर पैरेंट्स का बार-बार टोकना, स्कूल में किसी बात को लेकर बुली किया जाना, परिवार की आर्थिक या घरेलू समस्या, किसी शारीरिक कमी के कारण हंसी का पात्र बनना, औरों से अलग होने की भावना आदि। ऐसी बातें किशोरों में हीनभावना पैदा करती हैं, उन्हें अलग-थलग महसूस कराती हैं। इस तरह का दबाव उन्हें भावनात्मक रूप से कमजोर और अकेला करता है, जिसके कारण आइडेंटिटी क्राइसिस हो जाती है।

मनोवैज्ञानिक मत

सबसे पहले मनोवैज्ञानिक एरिक एरिक्सन ने आइडेंटिटी क्राइसिस के बारे में बताया था कि खुद की पहचान या अपनी आइडेंटिटी को समझना लोगों के लिए बहुत बड़ा संघर्ष है। टीनएज के दौरान बच्चे अपनी आइडेंटिटी के प्रति कॉन्शस रहते हैं। एक तरह से इस समय बच्चे के भीतर पहचान की भावना विकसित होती है। 'मैं कौन हूं' या 'मुझे कैसा होना चाहिए' जैसे सवाल उसके भीतर उठते हैं। हालांकि ऐसे सवाल उम्र के किसी भी मोड़ पर हमारे सामने आ सकते हैं। हम इस सवाल के जवाब के लिए संघर्ष भी करते हैं। मतलब पहचान की समस्या कभी भी हो सकती है। लेकिन ज्यादातर यह उस समय होती है, जब हम जीवन के किसी चुनौतीपूर्ण समय या बदलाव से गुजर रहे होते हैं। किशोरावस्था में शारीरिक बदलाव के साथ मानसिक उथल-पुथल का समय भी होता है। इस समय बच्चा अपने लुक्स, बिहेवियर और पहनावे आदि के प्रति अधिक कॉन्शस रहता है। अपने दोस्तों के बीच अपनी सामाजिक, आर्थिक स्थिति को बेहतर दिखाने की कोशिश करता है। बदलाव के इस दौर में अपनी पहचान के लिए जूझना सामान्य बात है। एरिक्सन के अनुसार, 'आइडेंटिटी क्राइसिस खुद का विभिन्न तरीकों से गहन विश्लेषण और अन्वेषण का समय है। हमारी पहचान जीवन भर बदलती और बनती रहती है, क्योंकि लोग अपने लंबे जीवन में नई-नई चुनौतियों का सामना करते हैं, अलग-अलग अनुभवों से दो-चार होते हैं। इस प्रकार पहचान का संकट किसी भी उम्र में हो सकता है।'

ये हैं उपचार के तरीके

अगर आइडेंटिटी क्राइसिस के कारण टीनएज बच्चे को रोजमर्रा के काम करने में परेशानी महसूस हो रही है या क्षमता होते हुए भी वह काम करने में सक्षम नहीं हैं, तो पैरेंट्स के रूप में आपको इस समस्या से निजात के लिए गंभीरता से बच्चे पर ध्यान देने की जरूरत है। आप मनोचिकित्सक की मदद ले सकती हैं। उन्हें खुलकर बताएं कि आपका बच्चा कैसा महसूस करता है? उसके जीवन में हाल ही में क्या बदलाव आए हैं? किस तरह के तनाव से इन दिनों वह गुजर रहा है? कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि नैरेटिव थैरेपी पहचान के संकटों के उपचार में मददगार होती है, खासकर किशोरों में। ऐसे ही एक स्टडी में नैरेटिव थैरेपी में शामिल होने के बाद पॉजिटिव रिजल्ट आए। न्यूजीलैंड के मनोचिकित्सक माइकल व्हाइट और डेविड एप्स्टन द्वारा 1980 के दशक में नैरेटिव थैरेपी विकसित की गई थी। इस चिकित्सा पद्धति का उद्देश्य व्यक्ति को दोषी ठहराए बिना उसे सही परामर्श देना और उसे मानसिक रूप से मजबूत बनाना होता है। नैरेटिव थैरेपी कुछ अंतर्निहित कारणों, जिनके कारण व्यक्ति अकेलापन या स्ट्रेस महसूस कर रहा है, इसके उपचार से समस्या को कम करने में मदद करती है। इसमें किशोरवय बच्चे के नकारात्मक विचारों को दूर करने और चिड़चिड़े व्यवहार में सुधार करने की कोशिश की जाती है ताकि वह अच्छा सोच सके। साथ ही अपने कार्य और निर्णयों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बना सके। यह थैरेपी बच्चों को उनके द्वारा बताई गई कहानियों के माध्यम से खुद को तलाश करने में मदद करती है। अनेक मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि भले ही आइडेंटिटी क्राइसिस मानसिक तनाव और भावनात्मक संघर्ष का समय हो, लेकिन यह खुद को बेहतर बनाने और अपनी नई क्षमताओं को तलाशने का एक मौका भी है। ❁

बुजुर्ग माता-पिता के चेहरे पर मुस्कान

अच्छी संतान की पहचान

हमारे माता-पिता हमारी परवरिश में अपनी सारी खुशियां न्योछावर कर देते हैं। जीवन की सांध्य बेला में हमारा भी यह दायित्व बनता है, अब हम उनका पूरा ध्यान रखें, ताकि उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान बिखरी रहे।

दायित्व

शिखर चंद जैन

हमारे सामाजिक मूल्यों में जिस तेजी से ह्रास हो रहा है, वह ना सिर्फ समाज और व्यवहार विशेषज्ञों बल्कि प्रशासन और न्यायपालिका के लिए भी चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में कुछ राज्य सरकारों को संतान द्वारा माता-पिता का सम्मान और देखभाल करने संबंधी एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। कई अदालतों ने भी बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा करने और सताने वाली संतानों को फटकार लगाई है। कहा है कि कानूनी रूप से अपनी संतान के पास सुख और आदरपूर्वक रहना माता-पिता का नैतिक, सामाजिक और कानूनी अधिकार है। हमें यह समझना चाहिए कि जिन माता-पिता ने अपने बच्चों को एक अच्छा भविष्य देने के लिए अपने सुखों का त्याग किया, उनके वृद्ध होने पर उनके चेहरे पर मुस्कान कायम रखना संतान का फर्ज है।

उनके साथ नियमित करें बातें: उम्रदराज अभिभावक अकसर खुद को अकेला महसूस करते हैं। उन्हें अपने बेटे-बहू के भावनात्मक सपोर्ट की जरूरत होती है। बूढ़े माता-पिता की भौतिक जरूरतें कम, मानसिक जरूरतें ज्यादा होती हैं। इसलिए सुबह-शाम साथ बैठकर उनसे बातें करें। विषय कुछ भी हो सकते हैं, घर-परिवार, नाते-रिश्तेदार, समाज, देश-दुनिया या फिर कैसी भी हल्की-फुल्की बातें, जो उन्हे भाती हों।

उनकी हॉबीज का करें सम्मान: किसी भी व्यक्ति को व्यस्त और खुश रखने में डेली रूटीन और हॉबीज का बड़ा महत्व है। इनसे तन-मन दोनों प्रसन्न और स्वस्थ रहते हैं। आपके माता-पिता को बागवानी, टहलने, मूवी या किताबें पढ़ने, संगीत सुनने या धार्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने का शौक है तो उनको रोके नहीं, सहयोग करें। घर के बच्चे उनके साथ लूडो, कैरम जैसे इंडोर गेम्स खेलें तो उनका मन भी लगेगा और बच्चों के साथ उनकी बॉन्डिंग भी बढ़ेगी।

पारिवारिक कार्यक्रमों में साथ ले जाएं: कई बार युवा बेटे-बेटी माता-पिता को रिश्तेदारों की शादियों या अन्य कार्यक्रमों में ले जाने से बचते हैं। अगर वे अस्वस्थ नहीं हैं तो उन्हें जरूर साथ ले जाएं। वहां अपने लोगों से मिलकर और घर से बाहर कुछ समय बिताकर उन्हें अच्छा लगेगा।

घरेलू मामलों में सलाह लें: कई बार जब वयस्क संतान अपने माता-पिता से कुछ भी पूछना छोड़ देते हैं तो इससे वे खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं, उनकी भावनाएं आहत होती हैं। पैरेंट्स का दिल जीतने के लिए आपको किसी भी निर्णय के बारे में उन्हें बताना चाहिए, उनसे सलाह-मशविरा भी करना चाहिए। इससे उन्हें लगेगा कि परिवार में उनका महत्व और आदर बना हुआ है।

उनकी प्रशंसा करें: माता-पिता ने ताउम्र आपकी हर खुशी और सुविधा का ध्यान रखा। ऐसे में आपका फर्ज है कि उनका आभार प्रकट करें। अगर आप अपने रिश्तेदारों के सामने उनकी प्रशंसा करेंगी तो उनका मन बहुत खुश होगा, उनका मान भी बढ़ेगा।

इस तरह इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हम अपने बुजुर्ग माता-पिता के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं, उन्हें खुश रख सकते हैं। ❁

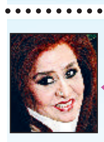

केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

क्या आप जानती हैं बालों में

ऑयलिंग का सही तरीका

हालांकि कई लोग अपने बालों पर जरूरत से ज्यादा तेल लगाए रहते हैं तो कुछ बहुत कम या बिल्कुल ऑयलिंग नहीं करते हैं। दोनों ही हैबिट्स सही नहीं हैं। वास्तव में हर मौसम में बालों पर थोड़ी ऑयलिंग करनी चाहिए, लेकिन सर्दी के मौसम में इसकी जरूरत ज्यादा होती है। इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि बालों में तेल सही तरीके से ही लगाना चाहिए, जिससे बालों की ग्रोथ अच्छी हो, वे मजबूत भी बनें। यहां आपको समझ लेना चाहिए कि बालों में तेल लगाने के कई ऐसे फायदे होते हैं, जो आपको शैंपू, कंडीशनर या सीरम लगाने से कभी नहीं मिलेंगे, इसलिए सभी को अपने बालों में तेल जरूर लगाना चाहिए।

बालों में तेल लगाने के फायदे: बालों में तेल लगाने के फायदों के बारे में तो थोड़ा-बहुत लोग जानते ही हैं, लेकिन बालों में तेल को सही तरीके से लगाने और सही समय पर लगाने के बारे में कई गलतफहमियां मौजूद हैं। इनकी वजह से लोग गलत तरीके से बालों पर तेल लगाते हैं और उन्हें फायदे की बजाय नुकसान उठाना पड़ता है। बालों में सही तरीके से तेल लगाने से बालों की कई समस्याएं आसानी से दूर होती हैं। तेल बालों को पोषण देकर उन्हें झड़ने से रोकता है और ड्राइनेस को दूर करने में मदद करता है। इसलिए सप्ताह में एक या दो बार तेल से बालों की मसाज अवश्य करें।

कब लगाएं तेल: आयुर्वेद के अनुसार आपको बालों में नहाने से पहले तेल लगाना चाहिए। बालों को मजबूत बनाने के लिए हफ्ते में दो बार गुनगुने तेल से बालों की मसाज करनी चाहिए। अधिकांश लोग शैंपू करने के बाद बालों में तेल लगाते हैं, जिसकी वजह से उनके बालों में धूल, मिट्टी जम जाती है और बाल टूटने लगते हैं। सामान्य बालों को शैंपू करने से दो-तीन घंटे पहले तेल लगाना चाहिए ताकि तेल बालों की जड़ों तक पहुंच जाए। अगर आप सुबह जल्दी नहाती हैं तो आप बालों में रात को तेल लगाकर सो सकती हैं। ऐसा करने से पूरी रात बालों को तेल का पोषण मिलता है।

ऑयलिंग का सही तरीका: बालों में तेल लगाने के लिए सबसे पहले तेल को हल्का गुनगुना करें। जब तेल थोड़ा ठंडा हो जाए तो बालों को दो हिस्सों में बांट कर तेल में अंगुलियों को डुबोकर हल्के-हल्के स्कैल्प और बालों की मसाज करें। अब एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोकर निचोड़ लीजिए और तौलिए को पगड़ी की तरह 15 मिनट तक सिर पर बांध लें। इससे स्कैल्प के रोम छिद्र खुल जाते हैं। इससे तेल, स्कैल्प में अच्छे से अवशोषित होगा। तेल लगाने के दो-तीन घंटे बाद आप बालों को धो सकती हैं। अगर आपने रात को तेल लगाया है तो आप सुबह उठते ही बालों को धो सकती हैं। ❁

प्रिकॉशन

डॉ. मधु गोयल

एचओडी-गाइनेकोलॉजी

फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल, दिल्ली

प्रेग्नेंसी के अंतिम तीन महीने (थर्ड ट्राइमेस्टर) मां और बच्चे दोनों के लिए सबसे नाजुक माने जाते हैं। इस दौरान गर्भवती स्त्री को सेहत की विशेष देखभाल की जरूरत होती है। इस दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

प्रेग्नेंसी का थर्ड ट्राइमेस्टर

हेल्थ की करें प्रॉपर केयर

गर्भावस्था (प्रेग्नेंसी) के 28वें से 40वें सप्ताह यानी प्रसव तक की अवधि को तीसरी तिमाही या थर्ड ट्राइमेस्टर कहा जाता है। इस दौरान गर्भवती स्त्री के ब्लडप्रेशर, वजन, उसके यूरीन, वेक्सीनेशन, भ्रूण की स्थिति, उसके आकार, उसकी हृदय गति की जांच की जाती है। डॉक्टर इस बात की भी जांच करती हैं कि महिला का प्लेसेंटा खुलने की स्थिति में है या नहीं? फिर 36वें सप्ताह में ग्रुप बी स्ट्रेप टेस्ट के जरिए यह भी मालूम किया जाता है कि गर्भवती स्त्री के शरीर में जीबीएस नामक बैक्टीरिया तो नहीं है? यदि प्रसव की तिथि क्रॉस हो गई हो तो स्त्री रोग विशेषज्ञ बायोफिजिकल प्रोफाइल जैसे जांच की सलाह देती हैं।

दिखते हैं ये बदलाव: प्रेग्नेंसी की तीसरी तिमाही के दौरान महिला के गर्भाशय में संकुचन, सांस फूलना, बार-बार यूरीन आना जैसे लक्षण नजर आते हैं। अगर एमनियोटिक फ्लूइड लीक होने जैसा कोई लक्षण नजर आए तो तत्काल इस बात की जानकारी स्त्री रोग विशेषज्ञ को देनी चाहिए। बढ़ता हुआ गर्भाशय पेट पर दबाव डाल सकता है, जिससे सीने में जलन और अपच जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। इस दौरान पीठ में दर्द की भी समस्या हो सकती है। इससे बचाव के लिए बैठते समय हमेशा पीठ को कुशन का सहारा दें। रक्त संचार बढ़ने से पैरों में लाल और बैंगनी नसें तनी हुई दिखाई दे सकती हैं। पैरों में सूजन की भी समस्या हो सकती है। इससे बचाव के लिए पैरों को ऊपर की ओर मोड़ने वाली एक्सरसाइज करनी चाहिए। अंतिम तीन महीनों में थकान और शरीर में भारीपन महसूस होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचाव के लिए टहलना और एक्सपर्ट की सलाह पर हल्के-फुल्के व्यायाम करना सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। ❁

प्रस्तुति: विनीता

इन बातों का रखें ध्यान

गर्भावस्था की तीसरी तिमाही में गर्भस्थ शिशु का वजन तेजी से बढ़ता है और उसके विकास की गति भी तेज हो जाती है। ऐसे में संतुलित और पौष्टिक भोजन बहुत जरूरी है। इस अवधि में रक्त प्रवाह को धीमा कर खून के थक्के जमने की प्रक्रिया को तेज करना बहुत जरूरी है। विटामिन के में ऐसा तत्व पाया जाता है, जो खून जमने की प्रक्रिया में मददगार होता है। कीवी में पर्याप्त मात्रा में विटामिन के पाया जाता है, इसलिए नियमित रूप से कीवी का सेवन करना चाहिए। इस दौरान गर्भवती स्त्री के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर भी सही होना चाहिए। इसके लिए अनार, खजूर, गुड़, सेब, चुकंदर और हरी पत्तेदार सब्जियों का पर्याप्त मात्रा में सेवन करना चाहिए। आठवें और नौवें महीने में प्रेग्नेंट महिला को स्त्री रोग विशेषज्ञ के संपर्क में रहना चाहिए। डॉक्टर शिशु के वजन, यूट्रस के अंदर मौजूद फ्लूइड और गर्भनाल की स्थिति की जांच के लिए सोनोग्राफी कराने की सलाह दे सकती हैं। एक्सपर्ट की निगरानी में पेल्विक, कीगल और फ्लोर एक्सरसाइज करना भी नॉर्मल डिलीवरी में मददगार साबित होता है।

तन-मन

मुग्धा पांडे

जाड़े के इस मौसम में खिली-खिली धूप में अपनों के साथ बैठकर बतियाने का एक अलग ही आनंद है। आपसी बातों को साझा करने से रिश्तों में मिठास तो घुलती ही है, यह धूप हमें ऊर्जावान भी बनाती है, मन को प्रफुल्लित रखती है। हमारे स्वास्थ्य के लिए यह धूप कुदरत की नियामत है।

गुनगुनी धूप में

मीठे करें रिश्ते

इन दिनों गुनगुनी-सुहानी धूप में बैठने का मजा कुछ अलग ही होता है। इस ठंड में यह धूप तन-मन को उमंग-तरंग से सराबोर कर देती है। यह धूप अपनेपन, संबंधों की ऊष्मा को बढ़ाने का एक प्यारा-सा माध्यम है। गरमाहट भरी धूप के लम्हे सेहत को भी बेहतर बना देते हैं। व्यवहार विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक एडलर और मॉरिसन के शोध भी यह कहते हैं कि सुकून देती धूप में साथ बैठकर बातचीत करने से सकारात्मक हार्मोंस का स्राव होता है, जो संतुलित और मोहक व्यक्तित्व के लिए किसी औषधि से कम नहीं है। देह को किसी जादुई अहसास की तरह नरम-नरम स्पर्श करती मीठी-गुनगुनी धूप स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे पहुंचाती है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है, शरीर के ना जाने कितने ही दर्द मिटाती है। नकारात्मकता को नियंत्रित करने में मदद करती है। यह चमत्कारी धूप चटखती हड्डियों, चोटिल मांस पेशियों को एक कुदरती सेंक प्रदान करके, हमारे भीतर की ऊर्जा बढ़ाती है। कितने अचरज की बात है कि अनगिनत गुणों से सराबोर यह धूप हमारे शरीर को निःशुल्क विटामिन डी प्रदान करती है। कितना भी जुकाम हो या खांसी से तन हिल रहा हो, वैद्य धूप में बैठकर पीठ सेंकने की सलाह देते हैं। गठिया और कमर दर्द के लिए तो धूप एक प्राकृतिक उपचार है।

ऐसे लें धूप का आनंद: जो लोग साथ-साथ बैठकर धूप का मजा लेते हैं, इससे उनका अवसाद, आलस और लो-हाई दोनों तरह का ब्लड प्रेशर सामान्य होता है, उनके हृदय को स्वस्थ रखने में मदद मिल जाती है। इस तरह से नियमित धूप सेवन से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, तो फिर हम नरम मखमली धूप लेने में पीछे क्यों रहें। इसके लिए कोई बहुत अधिक तामझाम और खर्च की भी जरूरत नहीं होती। एक कप चाय, कॉफी, ग्रीन टी, कहवा या फिर दूध-जलेबी भी गुनगुनी धूप का मजा सौ गुना बढ़ा देती है। आयुर्वेद में दूध-जलेबी को किसी टॉनिक से कम नहीं माना गया है। चाय, कॉफी आदि की तो बात ही निराली है। आजकल तो झटपट बनने वाले स्नैक्स भी चलन में हैं। इनको बनाकर केसरोल में रख लें। धूप में बैठकर सहेलियों के साथ इनका लुत्फ उठाइए।

अवकाश के दिन लें पूरा मजा: अगर अवकाश का दिन है तब तो सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक किसी हॉबी के साथ जाड़े की गुनगुनी धूप का आनंद लें। पेंटिंग या लेखन या कढ़ाई-बुनाई कोई भी शौक अपने साथी के साथ बैठकर पूरा करें। इस तरह का कोई भी रचनात्मक काम करने से एक खुशी मिलती है। तन-मन भी ऊर्जावान होता है। आप धूप में बैठकर कोई खेल भी खेल सकती हैं जैसे लूडो, कैरम और ताश आदि, इससे मनोरंजन होगा।

सर्दी की धूप की महिमा: अपने देश में सर्दी की धूप की यों भी बड़ी महिमा रही है। आज भी ना जाने कितनी महिलाएं जाड़े की धूप में छत को अपना ठिकाना बनाती हैं। छत पर ही नाश्ता, खाना और दोपहर की झपकी का सुख लेती हैं। कितने ही लोग धूप के ऐसे दीवाने होते हैं कि इनके लिए सुबह धूप का निकलना किसी उत्सव से कम नहीं होता। महिलाएं तो सखी-सहेलियों के संग चटाई, दरी लेकर अपने-अपने घर से निकल कर बाहर आ जाती हैं। पार्क या घर के लॉन में बैठकर बतकही करती हैं। धूप ही फूलों को खिलाती है या कहें कि उनके सौंदर्य को दमकाती है। धूप जहां कहीं फैलती है, किसी अंधेरे कोने में, पानी पर, वृक्षों की शाखाओं पर, वहां अपनी चमक भर देती है।

वसंत की अंतरंग सखी धूप: प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत जी ने तो धूप को वसंत की अंतरंग सखी कहा है। कोहरे को चीरती धूप का अर्थ है- सुकून, प्यार और परवाह। धूप में साथ बैठी सहेली की बहुत सी बातें दिल में मीठी यादें बनकर बस जाती हैं। कुछ मीठी-सी गपशप, हल्की-फुल्की बातें, कोई पुराना दिलचस्प किस्सा धूप के सेवन के साथ अपनों के साथ साझा करना, धूप का मजा सौ गुना बढ़ा देता है। तो इस सुहानी धूप का आनंद रोज लीजिए और रिश्तों में मिठास घोलिए। ❁

12 सूत्रीय मांगों को लेकर गोंगपा ने की जनसभा, निकली रैली

कार्रवाई की मांग को लेकर जिला प्रशासन को सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को गोड़वाना गणतंत्र पार्टी के द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जनसमस्याओं एवं जनहित की मांगों के संबंध में 12 सूत्रीय मांगो को लेकर प्रदेश महासचिव गों ग.पा. युवा मोर्चा सुश्री रितू पन्दराम व जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सुश्री उमा सिंह सरूता के नेतृत्व में यहां जिला मुख्यालय में जनसभा व रैली का आयोजन कर कलेक्टर कार्यालय का सांकेतिक घेराव किया एवं मांगों के संबंध में उचित कार्यवाही हेतु ज्ञापन सौंपा गया। सौपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि

जिला के समस्त धान उपार्जन केन्द्रों में कृषकों से धान तौलाई बारदाना पलटने एवं धान की गुणवत्ता जाच के नाम पर 1 से 2 हजार अवैध वसूली की शिकायतें आ रही है। पैसा नही देने पर किसानों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। इसलिए सभी धान उपार्जन केन्द्रों के लिए पृथक-पृथक निगरानी दल गठित कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कृषकों से हमाली का पैसा वसूली न किया जावे, जिन किसानो से हमाली की राशि वसूल किया गया है उन किसानो के खाते में शासन के द्वारा तयशुदा हमाली की राशि किसानो के खाते में वापस जमा कराया जावे। विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा की ओर से यह घोषणा किया गया था कि यदि पार्टी सत्ता आती है तो भा.ज.पा सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान तथा 3100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से एक मुश्त राशि दिया जायेगा, लेकिन वर्तमान में 23 सौ के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है जो कि किसानों के साथ

वादाखिलाफी है। किसानों को 31 सौ रुपये के हिसाब से एक मुश्त भुगतान कराया जावे, जिला भारतीय संविधान के 5वीं अनुसूचित में सम्मिलित क्षेत्र है जहां पर पेशा एक्ट लागू है किन्तु शासन प्रशासन के द्वारा ग्राम पंचायतों में पेशा एक्ट का उल्लंघन किया जा रहा है, ग्राम पंचायतो में पेशा एक्ट का परिपालन कराते हुए ग्राम सभा के प्रस्ताव के बिना जल, जंगल, जमीन एवं खनिज संपदा से संबंधित उपभोग पर रोक लगायी जावे। सरकार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी को वन भूमि पट्टा प्रदान किया जाना था किन्तु आज दिनांक तक कई गांवों में सैकडों किसानों को विधिवत् पट्टा प्रदान नहीं किया गया है जिन्हें पट्टा प्रदान किये जायें। वन परिक्षेत्र घुई रमकोला अन्तर्गत वन कर्मचारियों के द्वारा विधि-विरूद्ध तरीके से हरे-भरे पेड़ो की कटाई कराया जा रहा है। जिससे क्षेत्र का वातावरण प्रदूषित होने एवं उपक्षेत्र में निवासरत अनुसूचित जनजाति वर्ग जनसमुदाय के जीवन यापन पर दुष्प्रभाव पड़ने की संभावना है जिस पर जांच कराते हुए उचित कार्यवाही किया जाये। इस संबंध में 6 दिसंबर को अनुविभागीय अधिकारी प्रतापपुर को ग्रामीणो के द्वारा ज्ञापन देकर जांच की मांग किया गया था किन्तु आज दिनांक तक किसी तरह की कोई जांच एवं कार्यवाही नहीं हुई है। जीवनदायनी नदियों के घाट पर से भारी मात्रा में रेत का विधि-विरूद्ध उत्खनन कर व्यवसाय किया जा रहा है जिसे तत्काल बंद किया जाए।

SECL विश्रामपुर क्षेत्र अन्तर्गत कोल माइन्स केतकी, रेहर, गायत्री एवं साल्ही में ठेकेदारो के द्वारा ठेका श्रमिको के द्वारा माइन्स में काम लिया जाता है तथा ठेका श्रमिको से उनके आधे वेतन को आहारण कराकर ठेकेदार स्वयं रख लेते है उक्त मामले में शिकायत का गोपनीय जांच कराकर ठेका मजदूरो का शोषण रोकने हेतु ठोस कदम उठाया जाये।

ग्राम पंचायत लाछा में पदस्थ पंचायत सचिव दयाशंकर साहू के द्वारा अधिकारियों से मिली भगत कर बिना काम कराये तथा ग्राम पंचायत बैठक के बिना ही ग्राम पंचायत की शासकीय राशि का आहरण कर लिया गया है।

पदस्थ होने के पूर्व का निर्माण कार्यो का राशि स्वयं के नाम चेक काट आहरण कर लिया है। मामला केवल राशि गबन तक का नहीं है बल्की शासकीय दस्तावेज में कूटरचना से संबंधित अपराध है जो कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 335, 336 के तहत् अपराधिक मामला दर्ज करने, ग्राम पंचायत नमदगिरी में सरपंच एवं सचिव के द्वारा 14 वां एवं 15 वां वित्त योजना की राशि का विधि-विरूद्ध तरीके से आहरण कर लिया गया है जिसका शिकायत 30 सितम्बर को ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को आवेदन के माध्यम से शिकायत प्रस्तुत किया गया था जिसमें 23 नबम्बर को जिला पंचायत से जगदीश एक्का के द्वारा जांच किय गया जिसमें अभी तक कोई कार्यवाही नहीं किया गया है। जिसमे उचित कार्यवाही करने, भैयाथान जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुदामानगर के सरपंच सचिव द्वारा बिना काम कराये 14 वां व 15 वां वित्त कि राशि को विधि- वरूद्ध तरीके से आहरण कर लिया गया है जिसकी भी शिकायत कलेक्टर को 05.12.2024 को किया गया था जिस पर आज दिनांक तक कोई जांच या कार्यवाही नहीं किया गया। जिसमे जांच व कार्यवाही एवं ग्राम पंचायत रमकोला में स्थित भूमि खसरा नं. 666/1 रकबा 1.82 है. भूमि में सत्तापक्ष कुछ राजनैतिक पहुंच वाले व्यक्तियों के द्वारा ग्राम पंचायत के सचिव एवं सरपंच से पट्टा प्राप्त करने हेतु जबरन ग्राम प्रस्ताव मागा जा रहा है। ग्राम पंचायत के सचिव को किसी राजस्व अधिकारी के द्वारा यह दबाव दिया जा रहा है कि संबंधित नेताओ के प?ट्टे के लिए ग्राम प्रस्ताव भेजवाये उपरोक्त मामले में खसरा नम्बर 666/1 ग्राम पंचायत निस्तारी जमीन है उस पर किसी भी तरह का पट्टा जारी नहीं किये जाने की मांग की गई है।

एसईसीएल आवास के बाजू में अवैध निर्माण को सुरक्षा अमले ने हटाया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के माइनस कॉलोनी क्वार्टर नंबर 184 में अवैध रूप से रह रहे सेवानिवृत्त कॉलरी कर्मी सतेंद्र सिंह के पुत्र रवि रंजन कुमार सिंह द्वारा क्वार्टर के बाजू में रिक्त पड़े स्थान पर कब्जे के उद्देश्य से कराए जा रहे अवैध निर्माण कार्य को कंपनी के सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण सिंह की उपस्थिति में सुरक्षा कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को बंद करा खड़ा किए गए दीवार को ध्वस्त कर दिया है। इस दौरान अवैध निर्माण कर रहे सेवानिवृत्त कालरी कर्मी के परिवार के सदस्यों ने सुरक्षा दस्ते के साथ हुज्जतबाजी भी की। क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण ने बताया कि

कंपनी के आवास नंबर 184 में काबिज सेवानिवृत्त कालरी कर्मी सतेंद्र सिंह के परिजन को तत्काल आवास खाली कर कंपनी को सौंपने अथवा वैधानिक कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। कब्जेदार ने कब्जा छोड़ने सुरक्षा अमले को आश्वस्त किया है। कार्यवाही के दौरान एसईसीएल सुरक्षा विभाग के सहायक उपनिरीक्षक दिनेश पांडेय समेत सरफराज व अन्य सक्रिय रहे।

दिव्यांगजनों के हित के लिए विभिन्न योजनाएं हैं संचालित

समाज कल्याण विभाग ने प्रतिभावान दिव्यांगजन का किया सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में राज्य में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, पुनर्वास एवं उनके हित के संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने राजधानी रायपुर के शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मठपुरैना में सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्रतिभावान दिव्यांगजन सम्मान समारोह

समारोह को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण तथा हित में बेहतर कार्य कर रही है। हम आगे भी आपके हितों के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। हमारी सरकार लगातार आप सभी के लिए विकास कार्यों के माध्यम से सेवा कर रही है। हमारी सरकार को एक वर्ष पूर्ण हुआ है और हमने सभी लंबित कार्यों को स्वीकृति प्रदान कर आगे बढ़ाया है। दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीत सुनकर उन्होंने कहा कि मैं गीत सुनकर अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग जनों को समाज के लोगों का भरपूर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। दिव्यांगजन आज देश-प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मूकबधिर विद्यार्थियों ने कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को अपनी ओर से पेंटिंग भेंट की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर ख्याति प्राप्त दिव्यांगजन को सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त विकास निगम द्वारा देवपुरी निवासी दिव्यांग चंदन गिलहरे एवं ग्राम भैंसा निवासी दिव्यांग बाल दास मानिकपुरी को ई-रिक्शा प्रदान किया गया। इस दौरान उप संचालक क्रमशः आरएन बोस, भूपेंद्र पांडेय, किरन खरे, प्राचार्य अमित त्रिवेदी, अधीक्षिका सीता सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

शहीद परिवार के सदस्यों को साल-श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर एसएसपी ने किया सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सुशासन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पुलिस द्वारा जिले के 03 शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को सम्मानित किया गया है। इस दौरान एसएसपी ने शहीद परिवार के सदस्यों को साल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित कर उनकी समस्याओं को जाना और निराकरण किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने बुधवार को पुलिस लाईन में जिले के शहीद परिवार के उषा किण्डो, महिला आरक्षक सरिता कुजूर व नमिता केरकेट्टा को पुलिस अधिकारियों की देखरेख में ससम्मान आमंत्रित कर उन्हें साल-श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। एसएसपी ने शहीद परिवार के सदस्यों को कहा छत्तीसगढ़ शासन, प्रशासन व पुलिस सदैव आपके साथ है। जिला पुलिस परिवार का मुखिया होने के नाते आपकी समस्याओं का निराकरण करने की जिम्मेदारी मेरी है, जब भी कोई समस्या हो तो बेहिचक अपनी समस्या मुझसे साझा करें जिसका यथाशीघ्र तत्काल निराकरण किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने शहीद परिवार के सदस्यों से उनकी समस्याओं को जाना और निराकरण किया। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
सामान्य वन मंडल धरमजयगढ़ (छ.ग.)
नीलाम विज्ञापन

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि वन मंडल धरमजयगढ के काष्ठागार धरमजयगढ में उपलब्ध ईमारती, बांस एवं जलाऊ लकडी का दर्शित तिथि समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा नीलाम किया जावेगा।

1. नीलाम स्थान – काष्ठागार धरमजयगढ़
2. नीलाम दिनांक – 24.12.2024
3. नीलाम समय – प्रातः 09:00 बजे से प्रारंभ

अ. क.	प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
		लट्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में	लट्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में	लट्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	0.000	0	102.294	0	102.294	0
2	साल	80.000	0	833.368	586	913.368	586
3	बीजा	0.000	0	33.845	0	33.845	0
4	खम्हार	0.000	0	0.000	0	0.000	0
5	साजा	0.000	0	11.770	32	11.770	32
6	हल्दू	0.000	0	12.544	0	12.544	0
7	धावड़ा	0.000	0	0.000	0	0.000	0
8	सलिहा	0.000	0	0.000	0	0.000	0
9	अन्य	0.000	0	26.842	126	26.842	126
10	आर.टी.एल	0.000	0	0.000	0	0.000	0
	योग :–	80.000	0	1020.663	744	1100.663	744
11	जलाऊ	700	चट्टा	0	0	700	चट्टा

अतः इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम की शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय में डिपो से प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त मात्रा में कमी– अधिकता संभव है।

टीपः– क्रेता को पेन नम्बर एवं रजिस्ट्रेशन वर्ष 2024 की छाया प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

वनमण्डलाधिकारी
धरमजयगढ़ वनमण्डल

जी-242504648/7

शादी का झांसा देकर युवक ने किया शारीरिक शोषण, भेजा गया जेल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बताया गया है कि ग्राम गेतरा का 22 वर्षीय आरोपी अमन सिंह शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण करता रहा। जब उसने विवाह करने को कहा तो युवक ने शादी से इंकार कर दिया। जिसके बाद युवती ने उक्ताशय की शिकायत यहां कोतवाली में दर्ज कराई थी। जिसपर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 69 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज

कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र.1, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक : 07/व.ले.लि./2024–25, दिनांक 09.12.2024 निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 30.12.2024 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :–

ग्रुप क्र.	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	162370	झिरमिट्टी उद्यान के पास खरफरी नाला पर एनीकट का निर्माण कार्य।	रू. 283.15 लाख।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक 16.12.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 1,
अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते– मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी–242504631/1

1.50 लाख का फर्जीवाड़ा करने वाले सचिव पर गिरी निलम्बन की गाज, जिपं सीईओ ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कार्य मे लापरवाही एवं वित्तीय अनियमितता पर जिले के ग्राम पंचायत सरमा के तत्कालीन सचिव को निलंबित कर दिया गया है।

उक्त कार्रवाई जांच हेतु टीम द्वारा दी गई रिपोर्ट के बाद जिला पंचायत सीईओ कमलेश नन्दिनी साहू के द्वारा की गई है। बताया गया है कि जनपद पंचायत सूरजपुर के ग्राम पंचायत सरमा के विभिन्न कार्यों में हुए अनियमितता संबंधी प्राप्त शिकायत की जांच, गठित दल द्वारा 19 नवम्बर को किया गया। प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन अनुसार ग्राम सरमा में लगे यूकेलिप्टस की लकड़ी के विक्रय किये जाने के संबंध में सरपंच एवं तत्कालीन पंचायत सचिव दयाशंकर साहू के द्वारा भण्डार क्रय नियम का पालन नहीं किया गया है तथा पंचायत में स्वीकृत कार्यों पी0डी0एस0 भवन में पेंट, पोताई, स्कूल मैदान में मुरमीकरण, पंचायत भवन में बिजली मरम्मत एवं 15 अगस्त 2023 के कार्यों में कुल राशि 1,48,722 लाख फर्जी देयक के आधार पर शासकीय राशि आहरण किया जाना पाया गया।

इस प्रकार ग्राम पंचायत के कार्यों में अनियमितता बरतना कार्य के प्रति घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता पर तत्कालीन सचिव दयाशंकर साहू वर्तमान पदस्थापना ग्राम पंचायत पचिरा, को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। ग्राम पंचायत के लोगों ने सचिव की इन गतिविधियों के खिलाफ एक माह पहले अनशन किया था। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से शिकायत कर सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद जिला पंचायत सीईओ ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच टीम का गठन कर मामले की जांच कराई थी। जिसके बाद फर्जीवाड़ा सामने आने पर सचिव के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

सुशासन के एक वर्ष पूर्ण होने पर नपा ने छठ तालाब में चलाया स्वच्छता अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के

एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य भर में विभिन्न रचनात्मक गतिविधिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को नगरपालिका के तत्वाधान में स्वच्छ भारत अभियान अन्तर्गत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित कर शहर के बड़खापारा स्थित छठ तालाब में सफाई की गई। इसके अलावा अधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों को स्वच्छत के प्रति जागरूक करते हुए शासकीय योजना जैसे पीएम आवास, पीएम स्वनिधि आदि की जानकारी दी गई। इस दौरान अजय अग्रवाल, अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम शिवानी जायसवाल, सीएमओ प्रभाकर शुक्ला एवं एसडीओ नगरपालिका एवं आमजन उपस्थित थे।

निधन संतोष गुप्ता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी भैयाथान रोड़ निवासी संतोष गुप्ता का मंगलवार की शाम दुखद निधन हो गया। श्री गुप्ता पारिवारिक कार्य से म.प्र. के कटनी गए हुए थे।

जहां हृदयगति रुकने से उनका निधन हो गया। स्व गुप्ता के पार्थिव देह का अंतिम संस्कार बुधवार को सुरजपुर स्थित मुक्तिधाम में किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में परिजन व शुभचिंतक शामिल रहे। स्व गुप्ता सौम्य केसरी के पिताश्री थे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता 20 को

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता एवं युवा महोत्सव का आयोजन कलेक्टर एस.जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में 20 दिसंबर को जिला मुख्यालय में किया जायेगा। खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय ने बताया कि विकासखण्ड के विजेता प्रतिभागी जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता एवं युवा उत्सव में विजेता प्रतिभागी 20 दिसंबर को आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगें। युवा महोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन मंगल भवन सूरजपुर एवं महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन यहां कॉलेज ग्राउंड में किया जाएगा।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

सरगुजा फ्रंटलाइन

एनसीआरबी दिल्ली से मिला साइबर टीप, चाइल्ड पोर्नोग्राफी का आरोपी बिहार से गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर थाना की पुलिस द्वारा चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एनसीआरबी दिल्ली से प्राप्त साइबर टीप लाइन के आधार पर थाना उदयपुर ने यह कार्रवाई की है और आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल एवं सिम कार्ड जप्त किया है।

सरगुजा पुलिस द्वारा चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामलों में यू-ट्यूब के माध्यम से बच्चों की अश्लील फोटो, वीडियो अपलोड करने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार, 18 दिसम्बर को एनसीआरबी दिल्ली से प्राप्त साइबर टीप लाइन के आधार पर यू-ट्यूब पर सार्वजनिक रूप से अश्लील वीडियो अपलोड करने वाले आरोपी दिनेश विश्वकर्मा पिता गोपाल विश्वकर्मा 31 वर्ष, निवासी शेरघाटी जिला गया बिहार को पुलिस की विशेष टीम ने लोकेशन के आधार पर बिहार से पकड़ा और घटना के संबंध में पूछताछ की। घटना में संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके घटना में प्रयुक्त मोबाइल एवं सिम कार्ड जप्त किया है।

आरोपी के विरुद्ध थाना उदयपुर में धारा 509(ख) भा.द.वि. एवं धारा 67(बी) आई.टी. एक्ट एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 13,14 का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी कों गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, प्रधान आरक्षक देवनारायण सिंह, आरक्षक अजय शर्मा एवं रिंकू गुप्ता शामिल रहे।

वाटरपार्क में निक्षय दिवस कार्यक्रम का आयोजन, युवाओं को किया जागरूक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत सरगुजा जिले को टीबी मुक्त करने हेतु पिरामल फाउंडेशन सरगुजा की टीम के द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अलग-अलग विभागों और समुदाय के साथ किया जा रहा है। जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार गुप्ता व राज्य कार्यक्रम अधिकारी फैसल रजा खान के मार्गदर्शन में जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए वाटरपार्क अंबिकापुर में निक्षय दिवस के अवसर पर युवाओं को विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई।

निक्षय दिवस का मुख्य उद्देश्य टीबी उन्मूलन की दिशा में कार्य करना तथा इस रोग से प्रभावित लोगों को पूर्ण सहयोग प्रदान करना, टीबी रोग के बारे में जागरूकता फैलाना व इसे नियंत्रित करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। यह दिवस प्रत्येक माह की 14 तारीख को मनाया जाता है, जिसमें टीबी से संबंधित कार्यक्रम एवं योजनाओं की समीक्षा के साथ लोगों को टीबी का लक्षण होने पर उपचार के लिए प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम में कतकालो एचडब्लूसी की सीएचओ नीलम सिंह ने उपस्थित युवाओं को टीबी मुक्त पंचायत और संभावित टीबी मरीजों के जांच हेतु किए जा रहे पहल की जानकारी दी।

पिरामल फाउंडेशन की जिला कार्यक्रम समन्वयक सरस्वती विश्वकर्मा ने टीबी के सामान्य लक्षण खांसी, बुखार, वजन कम होना, सीने में दर्द तथा थकान के बारे में बताया, ताकि समय पर जांच एवं उपचार की सुविधा मिल सके, साथ ही यह भी बताया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी का उपचार नि:शुल्क उपलब्ध है। इसकी दवाइयां भी नि:शुल्क दी जाती है।

कार्यक्रम के तहत युवाओं को निक्षय पोषण योजना की जानकारी से भी अवगत कराया गया। युवाओं ने आश्वस्त किया कि जब भी गांव या पंचायत स्तर पर कोई व्यक्ति खांसते, छींकते मिलेगा या कमजोर दिखेगा तो वे उसे स्वास्थ्य केंद्र जरूर भेजेंगे और टीबी मुक्त पंचायत के दिशा में सरकार का सहयोग करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवाओं का भरपूर सहयोग रहा।

नाली में गिरकर जख्मी हुए ग्रामीण की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धान की मिसाई करके घर लौट रहा ग्रामीण पैदल घर आते समय नाली में गिर गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक रतिराम राजवाड़े पिता लालाराम 37 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम रकेली का रहने वाला था। 16 दिसम्बर को वह शाम करीब 6.30 बजे घर का धान थ्रेसर से मीसकर पैदल ही घर जाने के लिए निकला था। रास्ते में हैंडपंप के पास वह नाली में गिर गया, जिसमें उसे कमर के ऊपर चोटें आई थी। स्वजन निजी वाहन से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां 17 दिसम्बर को देर रात 2.15 बजे उसकी मौत हो गई।

घर के सामने से स्कूटी चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कन्या परिसर रोड कृष्णनगर निवासी सृष्टि सिंह पिता स्व. सुनील सिंह का स्कूटी चंद मिनटों में चोरों ने पार कर दिया। युवती ने पुलिस को बताया है कि 15 दिसम्बर की रात लगभग 09.30 से 10 बजे के आसपास वह अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीपी 2862 को अपने घर के गेट के बाहर खड़ा की थी। घर के अंदर अपना सामान रखने गई, कुछ समय बाद जब वापस आई तो स्कूटी गायब थी। आसपास पतासाजी के बाद भी स्कूटी का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सोनतराई में 10 वर्षों से अस्पताल निर्माणाधीन, बीएमओ को पता नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सोनतराई में 10 वर्षों से अस्पताल भवन निर्माणाधीन है, जिसका काम आज पर्यंत पूरा नहीं हो पाया है। हैरत की बात यह है कि अस्पताल भवन के निर्माण संबंधी जानकारी से स्वयं ब्लाक मेडिकल अफसर भी अनभिज्ञ हैं।

ग्राम सोनतराई में एनएच-130 सूरजपुर रोड से 500 मीटर की दूरी पर स्टेडियम ग्राउंड के पास शासकीय अस्पताल के नाम से लगातार शासकीय राशि का बंदरबांट किया जा रहा है, इसकी सुध लेने वाला कोई जिम्मेदार नहीं है। अस्पताल का यह ऐसा भवन है, जिसकी दीवार खड़ी हो गई, खिड़की और दरवाजे लग गए, लेकिन उसका ढलाई नहीं हुआ है। दूसरा बिल्डिंग बगल में दो माले का 2 वर्षों से बनाया जा रहा है, जो आज तक पूर्ण नहीं हुआ है। तीसरा भवन इसके ठीक पीछे है, जो पूर्ण हो गया है, इसमें 6 बिस्तर अस्पताल अतिरिक्त कक्ष बनाया गया है। ग्राम सोनतराई के लोगों ने बताया कि गांव में 10 वर्षों से सरकारी अस्पताल का भवन आधा-अधूरा है। पंचायत सचिव शिवनाथ सिंह ने बताया कि कई वर्षों से निर्माण कार्य किया जा रहा है, मुझे उसकी जानकारी नहीं है। छह बिस्तर अस्पताल भी बंद रहता है, यहां सेवा देने वाले कौन हैं पता नहीं।

> सोनतराई में कहां अस्पताल के नाम से निर्माण कार्य किया जा रहा है, मुझे जानकारी नहीं है। पता करके बताता हूं।
>
> **योगेंद्र पैकरा, बीएमओ**

ठंड से राहत देने श्री सर्वेश्वरी समूह ने आकाशवाणी चौक में जलाया अलाव

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कड़ाके की ठंड में जहां एक ओर लोग दिनभर धूप की तपन में शकून महसूस करते हैं, वहीं शाम ढलने के साथ ठंड का पारा बढ़ जाता है। गर्म कपड़े पहनने के बाद भी ठिठुरन से लोगों को पूरी तरह से राहत नहीं मिल पाती है। इसका सर्वाधिक असर ऐसे लोगों पर पड़ता है, जो घुमंतू जीवन यापन करते हैं या फिर जहां ठौर मिला वहां रात बिता देते हैं। ऐसे लोगों की सुध लेने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा अंबिकापुर के द्वारा स्पोर्ट्स हॉस्टल के सामने आकाशवाणी चौक पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। श्री सर्वेश्वरी समूह के द्वारा एक माह तक के लिए जलावन उपलब्ध कराया जाएगा। संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा राहगीरों को राहत देने के लिए अलाव की व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया गया है।

विवि इंजीनियरिंग कॉलेज में सुशासन पर्व पर शहीद परिवार का सम्मान

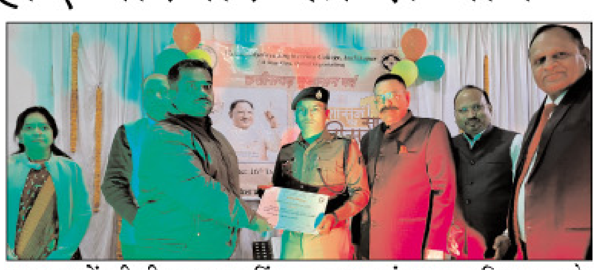

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में छत्तीसगढ़ सुशासन पर्व पर शहीद परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी नवाचार से सुशासन का कार्य करना है। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. राम नारायण खरे द्वारा संस्था में चल रहे तकनीकी विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी विडियो के माध्यम से दी। इस मौके पर शहीद उपनिरीक्षक स्व. श्याम किशोर शर्मा के स्वजन को प्रमाण पत्र देकर पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा सम्मानित किया गया। जिला मोहला-मानपुर-अं. चौकी के ग्राम परधोनी थाना मानपुर में 8 मई 2020 को नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना पर एसआई श्याम किशोर शर्मा, थाना प्रभारी मदनवाड़ा की अगुवाई में सिक्योरिटी फोर्स की टीम मौके पर पहुंची। टीम परधोनी गांव में सर्चिंग पर थी इसी दौरान रात 9.30 बजे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की टीम पर फायरिंग कर दी। एसआई श्याम किशोर शर्मा के अगुवाई में सुरक्षा बलों की टीम ने भी नक्सलियों पर जवाबी फायरिंग की, लगातार 20 मिनट तक दोनों ओर से गोलीबारी होती रही। इस मुठभेड़ में 15 लाख के ईनामी, चार नक्सलियों को एसआई श्याम किशोर शर्मा और उनकी टीम ने मार गिराया, कई हथियार भी बरामद हुए। नक्सलियों से मोर्चा लेते हुए श्याम किशोर शर्मा शहीद हो गए। शहीद उपनिरीक्षक ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अदम्य साहस व वीरता का परिचय दिया था। उन्होंने डटकर नक्सलियों का मुकाबला किया और मां भारती की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। ग्राम पंचायत डिगमा के समाजसेवी करमु राम को शासन की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रमाण पत्र देकर संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों ने संस्था में गुड गवर्नेंस के लिए उत्कृठ छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को प्रमाण पत्र वितरित किया। कार्यकम में शासकीय पालीटेक्निक कॉलेज, लाइवली हुड कॉलेज और आईटीआई के प्रातिभागियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सुशासन पर्व के अंतिम दिवस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

लावारिस हाल में छह माह से इलाज करा रही वृद्धा की मौत

मृत्यु के बाद पहुंचे स्वजनों को शव सुपुर्द की पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लगभग छह माह से लावारिस हाल में भर्ती होकर इलाज करा रही बुजुर्ग महिला की अंतत: मौत हो गई। इसकी सूचना अस्पताल के पुलिस सहायता केंद्र में दी गई थी, जिस पर पुलिस मृतिका के स्वजनों के तलाश में जुटी। स्वजन आए लेकिन वे पोस्टमार्टम कराने के लिए तैयार नहीं थे। इनका यह भी कहना था कि शव का पुलिस ही अंतिम संस्कार करा दे। ऐसे में पुलिस के समक्ष पशोपेश की स्थिति बन गई। इन्हें जाते देखकर पुलिस ने समझाइश दी, तब कहीं लिखापढ़ी की अग्रिम कार्रवाई हो पाई। बाद में स्वजन अंबिकापुर में ही वृद्धा का अंतिम संस्कार करके रवाना हो गए। जानकारी के मुताबिक जानकी देवी 78 वर्ष कई वर्ष से जोड़ापीपल में किराए के मकान में अपने पति के साथ रहती थी। संतान नहीं होने के कारण वह पति की मौत के बाद अकेले ही समय काट रही थी। पास-पड़ोस के लोग ही उनके दुख-सुख के साथी थे। बीते 4 जुलाई को जानकी देवी बाथरूम में गिरकर चोटिल हो गई थी। इसके बाद आसपास के लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए वृद्ध महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करा दिया था, लेकिन परिवार का कोई भी सदस्य इनकी खोज-खबर लेने के लिए नहीं आया। ऐसे में अस्पताल के स्टाफ ही वृद्ध महिला का हरसंभव ध्यान रखते और समय-समय पर उसे भोजन भी कराते थे। लम्बे समय से अस्पताल में भर्ती महिला इलाज के दौरान दम तोड़ दी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी, जिस पर पुलिस ने शव को मर्च्युरी में रखवाया था और मृतिका के संबंधियों का पता लगा रही थी। स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस जमशेदपुर टाटा में रहने वाले इनके संबंधियों को महिला के मौत की सूचना दी गई। अस्पताल पहुंचे संबंधियों के मृतिका के शव को पहचाना, लेकिन पोस्टमार्टम के नाम पर टालमटोल करने लगे। पुलिस ने इन्हें अग्रिम कार्रवाई में सहयोग करने के लिए कहा तो वे माने और मृतिका के शव को अपनी सुपुर्दगी में लेने के बाद अंबिकापुर के शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार कर दिया।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर कन्या विद्यालय में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

विशेषज्ञों ने गणित को आसान व रोचक बनाने के तरीकों पर किये अपने विचार व्यक्त

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। यहां के कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। गणित दिवस महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। जिन्होंने गणित के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के रूप में मनोज कुमार झा प्राचार्य, सेजस नवापरा, ओम प्रकाश राजवाड़े, संतोष उपाध्याय और अरुण कुमार चौबे व्याख्याता गणित उपस्थित रहे। इन गणित विशेषज्ञों ने गणित के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ाने और इसे आसान व रोचक बनाने के तरीकों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद दलदल सिवनी, रायपुर के निर्देशानुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता, जिला समन्वयक श्रीमती अनु कांडे प्राचार्य, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सहायक जिला समन्वयक श्रीमती लिली नंदी वरिष्ठ व्याख्याता ने की। इनके कुशल मार्गदर्शन में कार्यशाला का संचालन संपन्न हुआ। जिले से 100 से अधिक गणित शिक्षकों की उपस्थिति रही। कार्यशाला के दौरान छात्रों को गणित के प्रति उनके डर को कम करने और इसे उनके दैनिक जीवन से जोड़ने के विषय में चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने गणित की जटिल समस्याओं को रोचक विधियों से हल करने के तरीके सिखाए। श्रीनिवास रामानुजन के योगदान पर विशेष चर्चा करते हुए छात्रों को उनके जीवन और उपलब्धियों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। कार्यशाला में दिसंबर माह के दौरान विद्यालयों में गणित संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। शिक्षकों को प्रेरित किया गया कि वे विद्यार्थियों को गणित के प्रति उत्साहवर्धन करने के लिए नई और दिलचस्प तकनीकों का उपयोग करें। कार्यक्रम का संचालन नेपाल कुमार साहू ने किया साथ ही सुनील कुमार पांडे, दीपक पटेल, आर बी यादव, अजय कुमार पंडा, अभिषेक गुप्ता, प्रशांत दुबे, राजीव लोचन मिश्रा का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला ने छात्रों और शिक्षकों दोनों को गणित के प्रति एक नई दृष्टि और ऊर्जा प्रदान की। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक और शिक्षकों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर